सत्यमेव जयते

2025

केमी-सांख्य

डेटा क्रॉनिकल्स

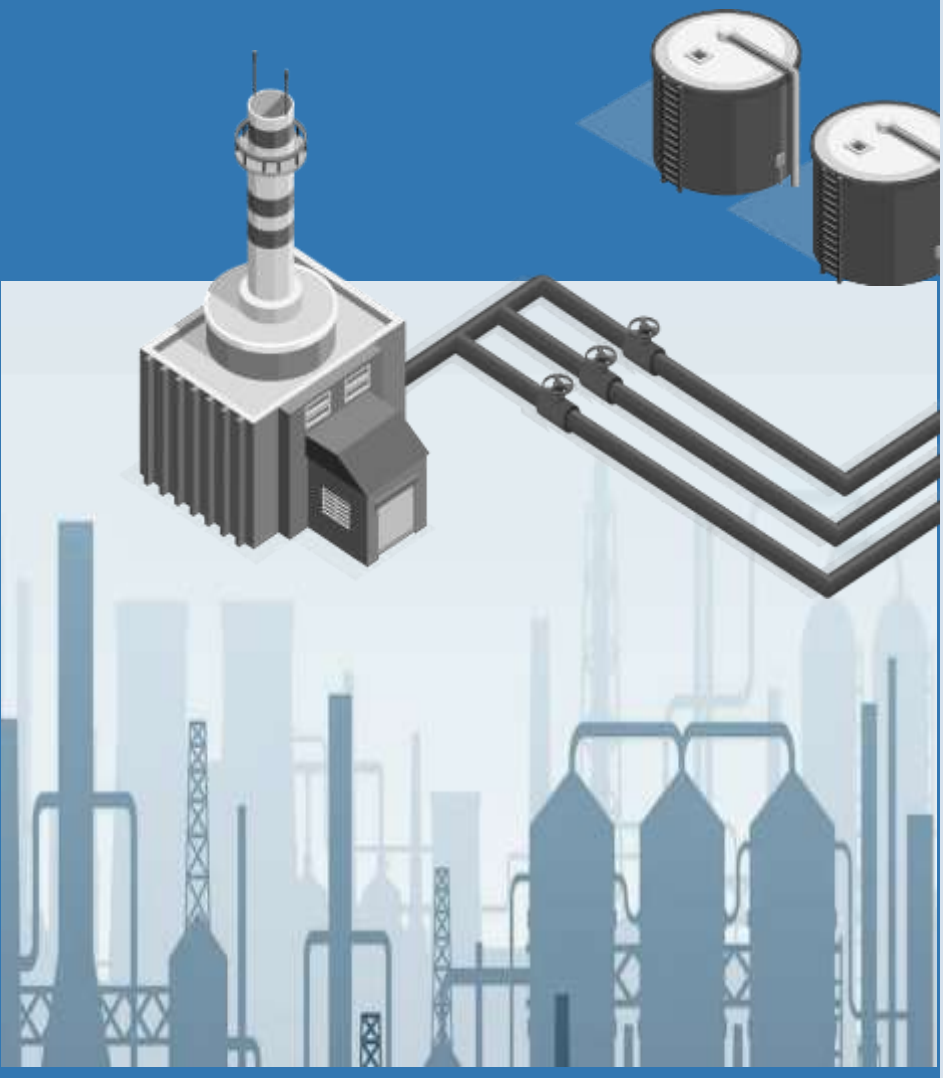

रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग की अंतर्दृष्टियाँ

(स्थिति दिनांक 31.03.2025 के अनुसार)

“केमी-सांख्य- 2025” तैयार करने वाली टीम

उप महानिदेशक
श्री गंगा कुमार

निदेशक
श्री ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह

सहायक निदेशक
श्री सत्यपाल

वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी
श्री देवेंद्र कुमार सिंह

कनिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी
श्री राकेश कुमार
श्री अंकुर देबनाथ

परामर्शदाता
श्री अविनाश कौशिक
श्री हरि मोहन शर्मा
श्री जेरिन जोस जॉर्ज

विषय सूची

1.परिचय

2.डीसीपीसी का विजन

3.डीसीपीसी के एस एंड एम प्रभाग की गतिविधियाँ

4. राष्ट्रीय औद्योगिक वर्गीकरण (एनआईसी)

5. शब्दावलियाँ

6. आर्थिक संकेतक

7. सूचकांक

8. वैश्विक परिदृश्य

9. भारतीय परिदृश्य

10.विश्व बाजार में हिस्सेदारी
10.1. विश्व रसायन बिक्री
10.2.शीर्ष 10: बिक्री - रसायन (20) - विश्व बाजार हिस्सेदारी (%)
10.3. विश्व में रसायनों के निर्यात और आयात में भारत की हिस्सेदारी

11. भारत में बाजार हिस्सेदारी
11.1. भारत में रसायन उद्योग में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का वर्ष-वार प्रवाह (2021-2025)
11.2. वे क्षेत्र जो उच्चतम प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (2024-25) आकर्षित कर रहे हैं
11.3. औद्योगिक उत्पादन की वार्षिक वृद्धि दर (%)
11.4.वार्षिक मुद्रास्फीति (%)
11.5.भारत में प्रमुख रसायनों और पेट्रोरसायनों का उत्पादन (2024-2025)

12. रसायन एवं पेट्रोरसायन उत्पादों का समूहवार वर्गीकरण और उनके उपयोग

13.वर्तमान परिदृश्य
13.1. प्रमुख रसायन और स्थापित क्षमता तथा वर्ष 2024-2025 के दौरान उत्पादन में उनकी हिस्सेदारी
13.2.प्रमुख पेट्रोरसायन और 2024-2025 के दौरान उत्पादन में उनकी हिस्सेदारी
13.3. प्रमुख रसायन और वर्ष 2024-2025 के दौरान आयात और निर्यात मात्रा एवं मूल्य में उनकी हिस्सेदारी
13.4. प्रमुख पेट्रोरसायन और वर्ष 2024-2025 के दौरान आयात और निर्यात मात्रा एवं मूल्य में उनकी हिस्सेदारी

14. चयनित सीपीसी क्षेत्र की स्थिति (स्थापित क्षमता और उत्पादन)

15. भारतीय चयनित सीपीसी उद्योग परिदृश्य

16. कुल उत्पादन, निर्यात, आयात और बाजार के आकार के बीच तुलनात्मक अध्ययन
16.1. कुल उत्पादन, निर्यात, आयात और बाज़ार के आकार के बीच तुलनात्मक अध्ययन (करोड़ में)
16.2. कुल उत्पादन, निर्यात, आयात और बाजार के आकार के बीच तुलनात्मक अध्ययन ((बिलियन अमेरिकी डॉलर में)

17. सीपीसी क्षेत्र की प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) वृद्धि दर का सभी क्षेत्रों के साथ तुलनात्मक अध्ययन

18. वर्तमान मूल्य पर सीपीसी क्षेत्र के जीवीए का तुलनात्मक अध्ययन
18.1. सीपीसी क्षेत्र के जीवीए का तुलनात्मक अध्ययन (एनआईसी 20)
18.2. सीपीसी क्षेत्र के जीवीए पर तुलनात्मक अध्ययन (एनआईसी 20 + एनआईसी 22)

18.क वर्तमान मूल्य पर जीवीए (सीपीसी) का हिस्सा
18.क.1. जीवीए सीपीसी का हिस्सा (एनआईसी 20)
18.क.2 जीवीए सीपीसी का हिस्सा (एनआईसी 20 + एनआईसी 22)

19. वर्तमान मूल्य पर सीपीसी क्षेत्र के उत्पादन का तुलनात्मक अध्ययन
19.1. सीपीसी क्षेत्र के उत्पादन पर तुलनात्मक अध्ययन (एनआईसी 20)
19.2. सीपीसी क्षेत्र के उत्पादन पर तुलनात्मक अध्ययन (एनआईसी 20 + एनआईसी 22)

19.क. वर्तमान मूल्य पर आउटपुट का हिस्सा (सीपीसी)
19. क.1 उत्पादन में सीपीसी का हिस्सा (एनआईसी 20)
19. क.2 आउटपुट सीपीसी का हिस्सा (एनआईसी 20 + एनआईसी 22)

20. भारत में रसायन क्षेत्र के संदर्भ में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) इनफ्लो की वृद्धि दर

21. एएसआई 2023-2024 में प्रमुख उद्योग समूहों की मुख्य विशेषताएं

22. रसायनों और रासायनिक उत्पादों का आयात (2024-25)

23. रसायनों और रासायनिक उत्पादों का निर्यात (2024-25)

24.पूर्वानुमान
24.1. रसायन और पेट्रोरसायन उत्पादों का उत्पादन
24.2. रसायन और पेट्रोरसायन उत्पादों का निर्यात
24.3. रसायन और पेट्रोरसायन उत्पादों का आयात

25. विभिन्न सीएजीआर पर रसायन एवं पेट्रोरसायन क्षेत्र का अनुमानित बाजार आकार

26. जीडीपी के मुकाबले सीपीसी का अनुमानित बाजार आकार

27. सरकारी पहलें

1 परिचय

रसायन और उर्वरक मंत्रालय इन क्षेत्रों में उत्पादकता, स्थिरता, नवाचार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देते हुए रासायनिक और उर्वरक उत्पादों की उपलब्धता, सामर्थ्य और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नीतियां बनाता और लागू करता है।

रसायन एवं पेट्रोरसायन क्षेत्र समाज की मूलभूत आवश्यकताओं जैसे भोजन, जल, आवास और स्वास्थ्य सेवा को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। घरेलू उत्पादन बढ़ाने, आत्मनिर्भरता प्राप्त करने और आयात पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से, भारत ने सतत आर्थिक विकास को समर्थन देने हेतु मौजूदा और आगामी क्षमताओं का आकलन करते हुए रसायन उद्योग के लिए भावी योजना की शुरुआत की है।

रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग (डीसीपीसी) का सांख्यिकी एवं निगरानी (एस एंड एम) प्रभाग चयनित रसायन एवं पेट्रोरसायन उद्योगों के उत्पादन एवं स्थापित क्षमता से संबंधित सांख्यिकीय जानकारी संकलित करने के लिए उत्तरदायी है। इसके अतिरिक्त, यह प्रभाग बुनियादी रसायन एवं पेट्रोरसायन उत्पादों के आयात एवं निर्यात संबंधी आंकड़े भी संकलित करता है, जो वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन वाणिज्यिक जानकारी एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एंड एस) से प्राप्त किए जाते हैं।

रसायन उद्योग राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र में व्याप्त है और व्यक्तिगत जीवन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, साथ ही भारत के समग्र औद्योगिक और आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है।

वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान विनिर्माण क्षेत्र में रसायन क्षेत्र के सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) का शेयर वर्तमान कीमतों पर लगभग 8.1% था, जो राष्ट्रीय जीवीए में 1.2% का योगदान देता है (वित्त वर्ष 2019-20 में यह 9.8% था)। वित्त वर्ष 2018-19 से वित्त वर्ष 2023-24 की अवधि के दौरान रसायन क्षेत्र के जीवीए ने औसतन 4.8% की सीएजीआर दर्ज की है।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान प्रमुख बुनियादी रसायनों के उत्पादन की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) पिछले दस वर्षों में 3.9% रही। तुलनात्मक रूप से, प्रमुख बुनियादी पेट्रोरसायन के वार्षिक उत्पादन में पिछले वर्ष की तुलना में 5.8% की वृद्धि हुई, जबकि इसी दस वर्षों की अवधि में सीएजीआर 2.5% रही।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान बुनियादी प्रमुख रसायनों और बुनियादी प्रमुख पेट्रोरसायनों के लिए स्थापित क्षमता उपयोग दर क्रमशः 79.2% और 85.3% रही। इसी अवधि के दौरान इस क्षेत्र की कुल क्षमता उपयोग दर 83.8% रही।

2. डीसीपीसी का विजन

संवृद्धि

पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना, अपशिष्ट कम करना, संसाधनों के अनुकूलन और ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देना।

वैश्विक नेतृत्व

सीपीसी क्षेत्र में गुणवत्ता, लागत-प्रभावशीलता और विश्वसनीयता में उत्कृष्टता हासिल करते हुए भारत को वैश्विक स्तर पर अग्रणी देश के रूप में स्थापित करना।

नवाचार और अनुसंधान

सतत अधिगम की संस्कृति को बढ़ावा देना और अत्याधुनिक अनुसंधान को समर्थन देना, जिससे नवीन और टिकाऊ उत्पादों, प्रक्रियाओं और प्रौद्योगिकियों का विकास हो सके।.

सर्कुलर अर्थव्यवस्था

सर्कुलर अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों को अपनाना, अपशिष्ट और संसाधन क्षरण को कम करने के लिए रीसाइक्लिंग, अपसाइक्लिंग और अपशिष्ट से मूल्य प्राप्त करने के दृष्टिकोण को बढ़ावा देना।.

कौशल विकास और रोजगार

व्यापक कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से भारतीय कार्यबल को सशक्त बनाना, रोजगार के अवसर पैदा करना और उद्योग की उत्पादकता बढ़ाना।

समावेशी विकास

लघु एवं मध्यम आकार के उद्यमों (एसएमई) और उद्यमियों की भागीदारी को प्रोत्साहित करके और उन्हें वैश्विक मूल्य श्रृंखला में एकीकृत करने की सुविधा प्रदान करके समावेशी विकास को बढ़ावा देना।

3. डीसीपीसी के एस एंड एम प्रभाग की गतिविधियाँ

केमइंडिया- भारत की रासायनिक सूची

चयनित सीपीसी संकेतकों के विभिन्न कारकों पर सांख्यिकीय आंकड़ों का संग्रह संकलन और प्रबंधन

सीपीसी उद्योगों का संसाधन मानचित्रण

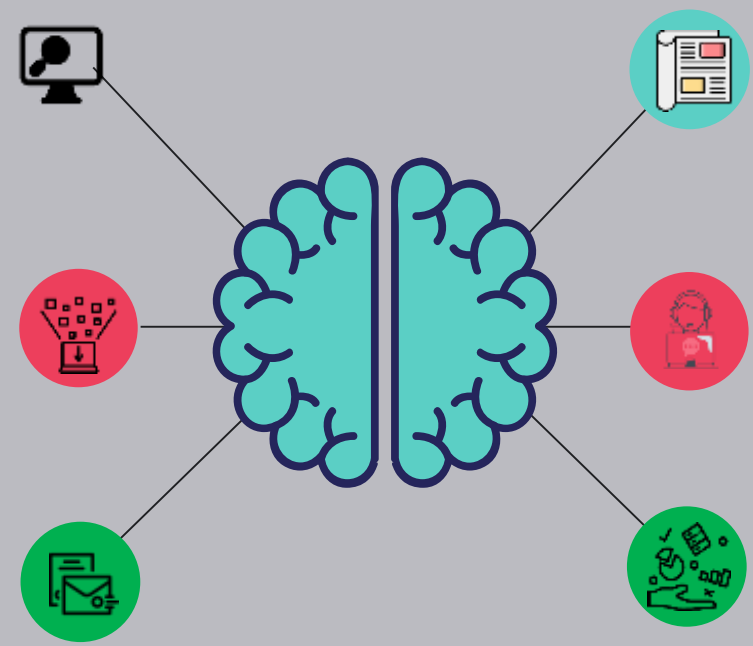

"रसायन और पेट्रोरसायन सांख्यिकी" के संक्षिप्त विवरण का प्रकाशन।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संकलन हेतु सीपीसी क्षेत्र के संबंध में एनएसओ, एमओएसपीआई को मासिक डेटा सहायता प्रदान करना।

नीति एवं कार्यक्रम निर्माण के लिए विभाग के विभिन्न प्रभागों को डेटा सहायता प्रदान करना।.

4. राष्ट्रीय औद्योगिक वर्गीकरण (एनआईसी)

एनआईसी-2008: देश में नोडल सांख्यिकी प्राधिकरण होने के नाते, केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय (सीएसओ), एमओएसपीआई को सांख्यिकी आंकड़ों के संग्रह, संकलन और प्रसार के लिए मानक स्थापित करने का दायित्व सौंपा गया है। अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर विभिन्न स्रोतों से उपलब्ध आंकड़ों की तुलनात्मकता और आर्थिक विश्लेषण के लिए ऐसे आंकड़ों की उपयोगिता की आवश्यकता ने वर्गीकरण प्रणाली के मानकीकरण की आवश्यकता को जन्म दिया।

देश में सांख्यिकीय गतिविधियों के समन्वय के लिए जिम्मेदार होने के नाते और सांख्यिकीय मानकों को विकसित करने और बनाए रखने के उद्देश्य से, सीएसओ ने 1960 में ही मानक औद्योगिक वर्गीकरण लाने का कार्य शुरू किया और 1962 में एक मानक औद्योगिक वर्गीकरण (एसआईसी) विकसित किया। वर्तमान में, एनआईसी-2008 लागू है।

गतिविधियों को पदानुक्रमित "गतिविधि समूहों" में वर्गीकृत किया गया है। इस पदानुक्रम में अनुभाग (वर्णमाला क्रम में ए से यू तक कोडित), प्रभाग (2-अंकीय संख्यात्मक कोड), समूह (3-अंकीय संख्यात्मक कोड), वर्ग (4-अंकीय संख्यात्मक कोड) और उप-वर्ग (5-अंकीय संख्यात्मक कोड) शामिल हैं।

स्तर		विवरण
अनुभाग		उत्पादन
प्रभाग 20		रसायनों और रासायनिक उत्पादों का निर्माण
समूह	201	बुनियादी रसायनों, उर्वरकों और नाइट्रोजन यौगिकों, प्लास्टिक और सिंथेटिक रबर का प्राथमिक रूपों में निर्माण
	203	मानव निर्मित फाइबर का निर्माण
वर्ग	2011	बुनियादी रसायनों का निर्माण
	2030	मानव निर्मित फाइबर का निर्माण
उप-वर्ग	20111	द्रवीकृत या संपीड़ित इनऑर्गेनिक औद्योगिक या चिकित्सा गैसों का निर्माण (तत्वीय गैसें, तरल या संपीड़ित वायु, रेफ्रिजरेंट गैसें, मिश्रित औद्योगिक गैसें आदि)।
	20301	सिंथेटिक या कृत्रिम फिलामेंट का निर्माण
प्रभाग 22		रबर और प्लास्टिक उत्पादों का निर्माण
समूह	221	रबर उत्पादों का निर्माण
	222	प्लास्टिक उत्पादों का निर्माण
वर्ग	2211	रबर टायर और ट्यूब का निर्माण; रबर टायरों की रिट्रेडिंग और पुनर्निर्माण
	2220	प्लास्टिक उत्पादों का निर्माण
उप-वर्ग	22111	मोटर वाहनों, मोटर साइकिलों स्कूटर, तिपहिया वाहन, ट्रैक्टर और विमान के लिए रबर टायर और ट्यूब का निर्माण
	22201	प्लास्टिक उत्पादों के अर्ध-तैयार उत्पादों (प्लास्टिक प्लेटें, शीटें,), ब्लॉक, फिल्म, पन्नी, पट्टी आदि) का निर्माण

एनआईसी-2008 की मुख्य विशेषताएँ

- एनआईसी-2008, एनआईसी-2004 के खंड ए से क्यू को खंड ए से यू से प्रतिस्थापित करता है। एनआईसी-2008 में 21 खंड, 88 प्रभाग, 238 समूह, 403 वर्ग और 1304 उप-वर्ग हैं।
- एनआईसी-2008, 4-अंकीय वर्गों तक आईएसआईसी आरईवी.4 के अनुरूप है।
- एनआईसी-2004 से शैडो क्लास की अवधारणा को एनआईसी-2008 में समाप्त कर दिया गया है, जिसमें संचालन के प्रकार और पैमाने के बजाय गतिविधि पर अधिक ध्यान केंद्रित किया गया है।
- एनआईसी-2004 में उल्लिखित कुछ 5-अंकीय उप-श्रेणियां अब एनआईसी-2008 में अलग-अलग 4-अंकीय श्रेणियां हैं।
- आईएसआईसी संशोधन 4 के व्याख्यात्मक नोट्स को एनआईसी-2008 में अनुलग्नक के रूप में शामिल किया गया है।

5. शब्दावलियाँ

पॉलिमर: प्लास्टिक और फाइबर में प्रयुक्त रिपीटिंग उप-इकाइयों (मोनोमर्स) से बना एक बड़ा अणु।

मोनोमर: एक छोटा अणु जो अन्य अणुओं के साथ मिलकर पॉलिमर बनाता है।

उत्प्रेरक: ऐसा पदार्थ जो स्वयं कंज्यूम हुए बिना रासायनिक अभिक्रियाओं की गति को बढ़ाता है।

फीड स्टॉक: रसायन एवं पेट्रोरसायन उत्पादन में प्रयुक्त कच्चा माल।

आसवन: तरल पदार्थों को उनके क्वथनांक के आधार पर अलग करने की प्रक्रिया।

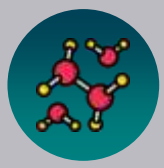

ओलेफिन: प्लास्टिक उत्पादन में प्रयुक्त कार्बन-कार्बन डबल बॉण्ड वाले अनसैचुरेटेड हाइड्रोकार्बन।

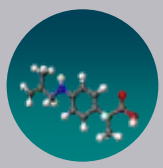

सुगंधित पदार्थ: पॉलिमर और विलायकों में प्रयुक्त होने वाली वलय संरचना वाले रासायनिक यौगिक।

क्रैकिंग: बड़े हाइड्रोकार्बन अणुओं को छोटे अणुओं में तोड़ने की प्रक्रिया।

सामंजस्यपूर्ण प्रणाली (एचएस): व्यापारित उत्पादों के वर्गीकरण के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानकीकृत प्रणाली। इसमें छह अंक होते हैं, और आगे के वर्गीकरण के लिए देशों द्वारा अतिरिक्त अंक जोड़े जाते हैं।

6. आर्थिक संकेतक

सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी): किसी देश के भीतर कुल आर्थिक उत्पादन का माप

जीडीपी = सी + आई + जी + (एक्स - एम)

- **सी** इसमें निजी उपभोग व्यय शामिल है, जिसमें व्यक्तियों और परिवारों द्वारा वस्तुओं और सेवाओं पर किया गया खर्च शामिल है।
- **आई** इसमें मशीनरी, उपकरण और संरचनाओं के निर्माण में व्यावसायिक निवेश सहित कुल निजी घरेलू निवेश शामिल है।
- **जी** यह वस्तुओं और सेवाओं पर सरकार द्वारा किए गए खर्च को दर्शाता है।
- **एक्स** वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात को दर्शाता है।
- **एम** यह वस्तुओं और सेवाओं के आयात को दर्शाता है।

सकल घरेलू उत्पाद = कुल उत्पादन का मूल्य - मध्यवर्ती वस्तुओं का मूल्य

बाजार का आकार: बाजार का आकार देश के भीतर वस्तुओं और सेवाओं की कुल संभावित मांग को दर्शाता है।

बाजार का आकार = सकल घरेलू उत्पाद (वर्तमान कीमतों पर)

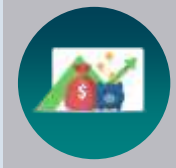

सकल मूल्य वर्धित (जीवीए): किसी क्षेत्र या संस्था द्वारा सृजित आर्थिक मूल्य का माप, जिसमें इनपुट लागत शामिल नहीं होती। इसका उपयोग उत्पादकता का आकलन करने के लिए किया जाता है और यह सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का एक घटक है।

सकल बाजार मूल्य (जीवीए) = सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) - कर + सब्सिडी

चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर): यह इस बात का माप है कि किसी निवेश या व्यवसाय ने एक निश्चित अवधि में कितनी वृद्धि की है। इसमें चक्रवृद्धि ब्याज का प्रभाव शामिल होता है, जिसका अर्थ है कि वृद्धि स्वतः ही बढ़ती जाती है।

सीएजीआर = ((अंतिम मूल्य / प्रारंभिक मूल्य) ^ (1 / वर्षों की संख्या)) - 1

7. सूचकांक

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी): यह एक प्रमुख आर्थिक सूचक है जो किसी देश के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों के उत्पादन की मात्रा में एक निश्चित अवधि में होने वाले परिवर्तनों को मापता है।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई): यह एक महत्वपूर्ण आर्थिक सूचक है जिसका उपयोग परिवारों द्वारा उपभोग की जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं की एक बास्केट की कीमतों में एक निश्चित अवधि में होने वाले औसत परिवर्तन को मापने के लिए किया जाता है।

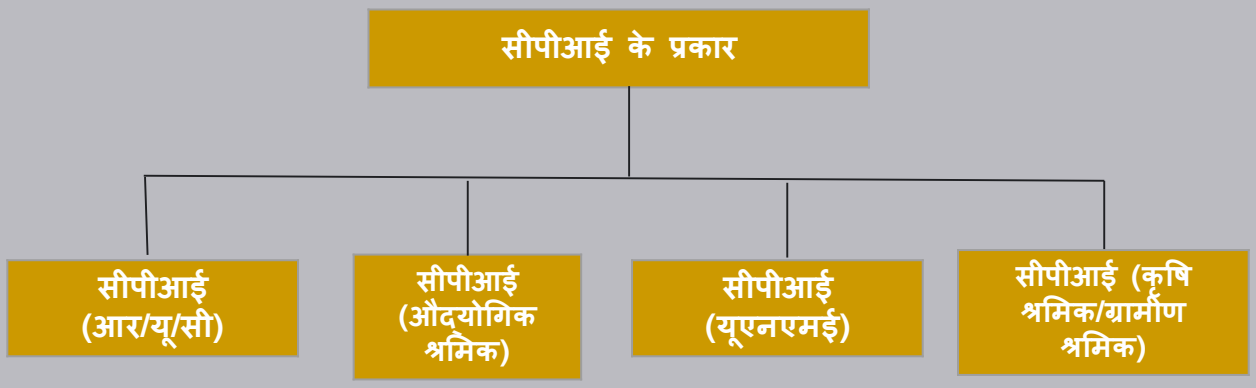

थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई): यह थोक स्तर पर वस्तुओं की कीमतों में होने वाले परिवर्तनों को मापता है। इससे थोक बाजार में मुद्रास्फीति और मूल्य रुझानों पर नज़र रखने में मदद मिलती है।

डब्ल्यूपीआई = (वर्तमान अवधि मूल्य - आधार अवधि मूल्य) / आधार अवधि मूल्य x 100

8. वैश्विक परिदृश्य

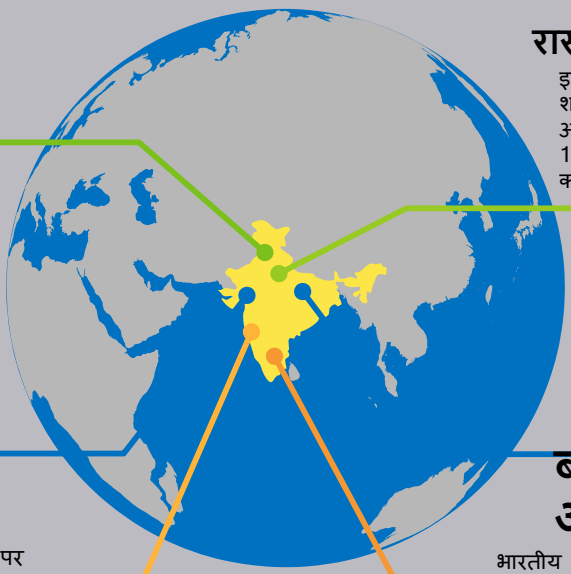

रैंकिंग
रसायनों की वैश्विक बिक्री के संदर्भ में भारत विश्व में सातवें और एशिया में चौथे स्थान पर रहा।

निर्यात
भारत से प्रमुख रसायनों और पेट्रोरसायनों का निर्यात 2024 में 20.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा, जो विश्व के कुल निर्यात का 2.5% हिस्सा है (फार्मास्यूटिकल्स को छोड़कर)।
https://indiantradeportal.in/

आयात
विश्व आयात में भारत 8वें स्थान पर है और विश्व में रसायनों के निर्यात में 14वां (औषधीय उत्पादों को छोड़कर)

रासायनिक उत्पाद
इसमें 80,000 से अधिक उत्पाद शामिल हैं, जो दैनिक जीवन का अनिवार्य हिस्सा हैं और लगभग 10 लाख लोगों को रोजगार प्रदान करते हैं।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह
कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) इक्विटी प्रवाह का 3.0% योगदान

बाजार का आकार
भारतीय रसायन और पेट्रोरसायन बाजार का मूल्य 2024 में लगभग 250 बिलियन डॉलर रहा

9. भारतीय परिदृश्य

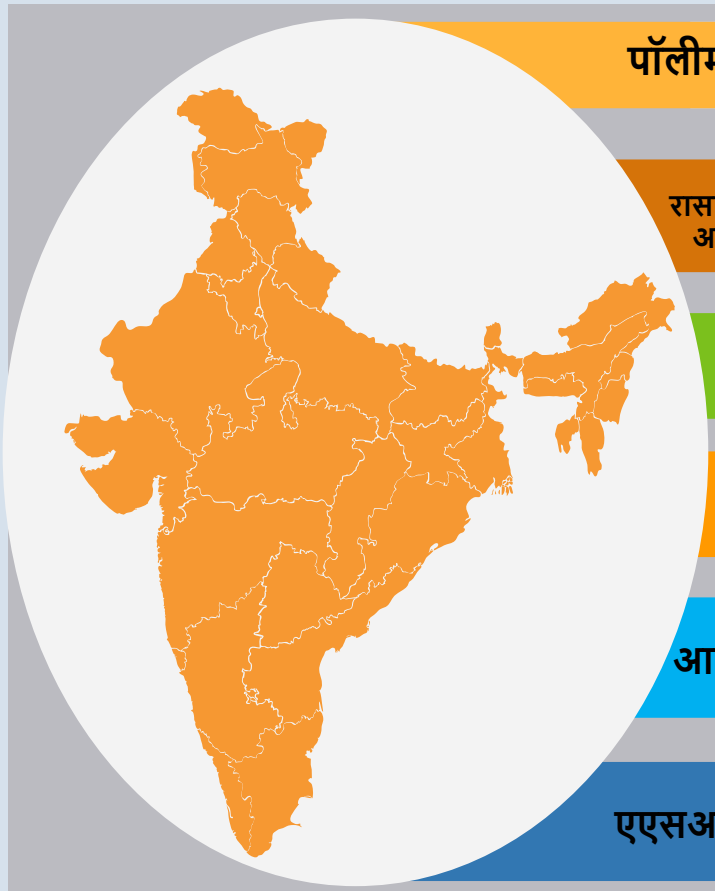

पॉलीमर
पॉलिमर का उत्पादन 2018-19 में 10.04 मिलियन टन से बढ़कर 2024-25 में 13.37 मिलियन टन हो गया।

रासायनिक आयात
भारत का रासायनिक आयात (फार्मास्युटिकल उत्पादों को छोड़कर) 2023 में 75 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, 2022-23 के दौरान विश्व आयात में भारत की हिस्सेदारी 3.1% थी।

सभी आर्थिक गतिविधि
फार्मास्यूटिकल्स को छोड़कर रसायन और रासायनिक उत्पाद क्षेत्र (एनआईसी 2008 का उद्योग प्रभाग 20) ने 2023-24 में सभी आर्थिक गतिविधियों के सकल बाजार मूल्य (जीवीएसी) में 1.2% का योगदान दिया।

जीवीए
2018-19 से 2023-24 की अवधि के दौरान रासायनिक क्षेत्र का सकल बाजार मूल्य (जीवीए) 4.8% सीएजीआर से बढ़ा है।

आईआईपी
वर्ष 2024-25 के लिए रसायन और रासायनिक उत्पादों (एनआईसी 2008 का उद्योग प्रभाग 20) के लिए औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) का औसत 129.3 रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 1.5% अधिक है।

एएसआई
उद्योग के वार्षिक सर्वेक्षण (एएसआई) 2023-24 (कारखाना क्षेत्र) के अनुसार, संगठित क्षेत्र में मध्यम और बड़े पैमाने के उद्योगों में 11.41 लाख व्यक्ति रसायन और रासायनिक उत्पादों (उद्योग प्रभाग 20, एनआईसी 2008) में लगे हुए थे, जबकि 2023-24 के दौरान सभी उद्योगों में 1.96 करोड़ व्यक्ति लगे हुए थे।

स्रोत: डीसीपीसी, सीईएफसी, कॉमट्रेड, एमओएसपीआई, डीपीआईआईटी

10. विश्व में बाजार हिस्सेदारी

10.1 विश्व रसायन बिक्री

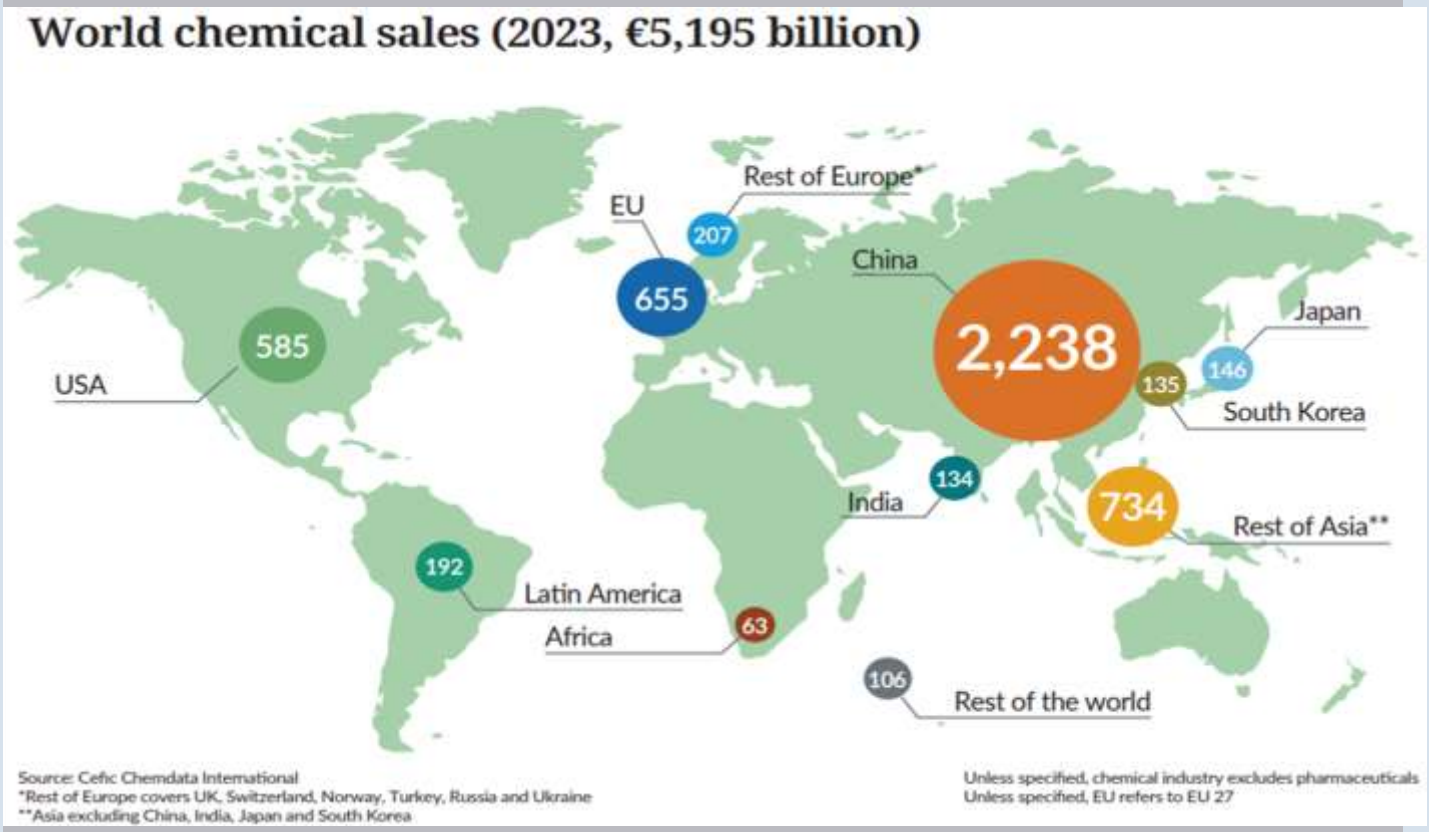

10.2 शीर्ष 10: बिक्री - रसायन (20) - विश्व बाजार हिस्सेदारी (%)

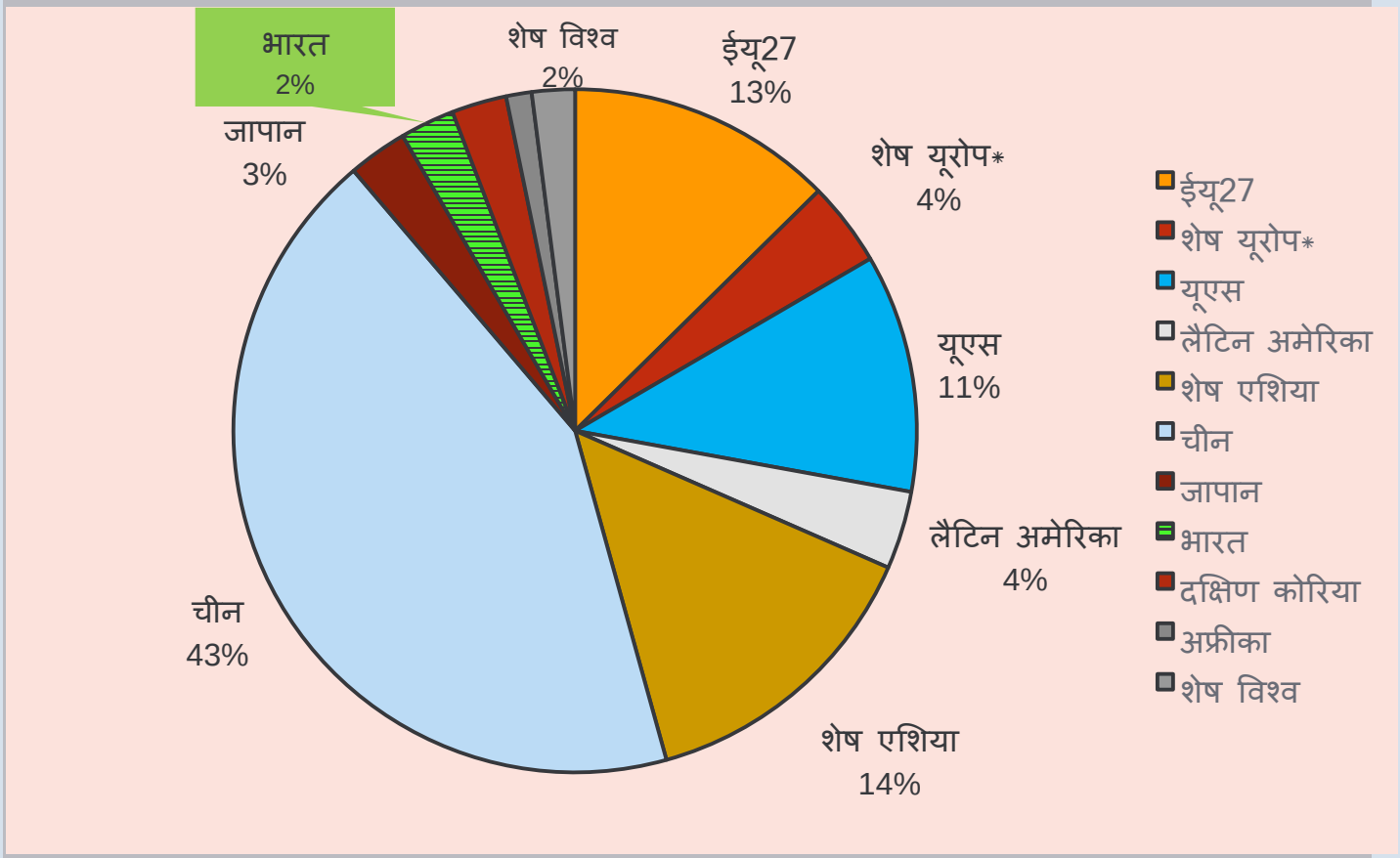

स्रोत: सेफिक

10. विश्व बाजार में हिस्सेदारी

10.3 विश्व में रसायनों के निर्यात और आयात में भारत की हिस्सेदारी

अध्याय	विवरण	विश्व निर्यात में भारत की हिस्सेदारी	रैंक	विश्व आयात में भारत की हिस्सेदारी	रैंक
अध्याय 28	इनऑर्गेनिक रसायन; बहुमूल्य धातुओं, दुर्लभ पृथ्वी धातुओं, रेडियोधर्मी तत्वों या समस्थानिकों के ऑर्गेनिक या ऑर्गेनिक यौगिक	2.2%	15	5.8%	4
अध्याय 29	ऑर्गेनिक रसायन	4.5%	8	5.3%	5
अध्याय 32	टैनिंग या डाइंग	5.0%	5	3.5%	8
अध्याय 38	विविध रासायनिक उत्पाद	2.6%	11	2.9%	10
अध्याय 39	प्लास्टिक और उससे बनी वस्तुएँ	1.1%	23	3.2%	7
अध्याय40उपसमूह 02 (एग्जिम 2002)	तेलों से व्युत्पन्न सिंथेटिक रबर और फैक्टिस, प्राथमिक रूपों में या प्लेटों, शीटों या पट्टियों के रूप में; शीर्षक 4001 के किसी भी उत्पाद का इस शीर्षक के किसी भी उत्पाद के साथ मिश्रण, प्राथमिक रूपों में या प्लेटों, शीटों या पट्टियों के रूप में	0.7%	23	5.0%	4
अध्याय 54	मानव निर्मित फिलामेंट	3.4%	5	4.1%	7
अध्याय 55	मानव निर्मित स्टेपल फाइबर	4.6%	5	3.0%	9

स्रोत: संयुक्त राष्ट्र कॉमट्रेड डेटाबेस

11. भारत में बाजार हिस्सेदारी

11.1 भारत में रसायन उद्योग में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का वर्ष-वार प्रवाह (2021-2025)

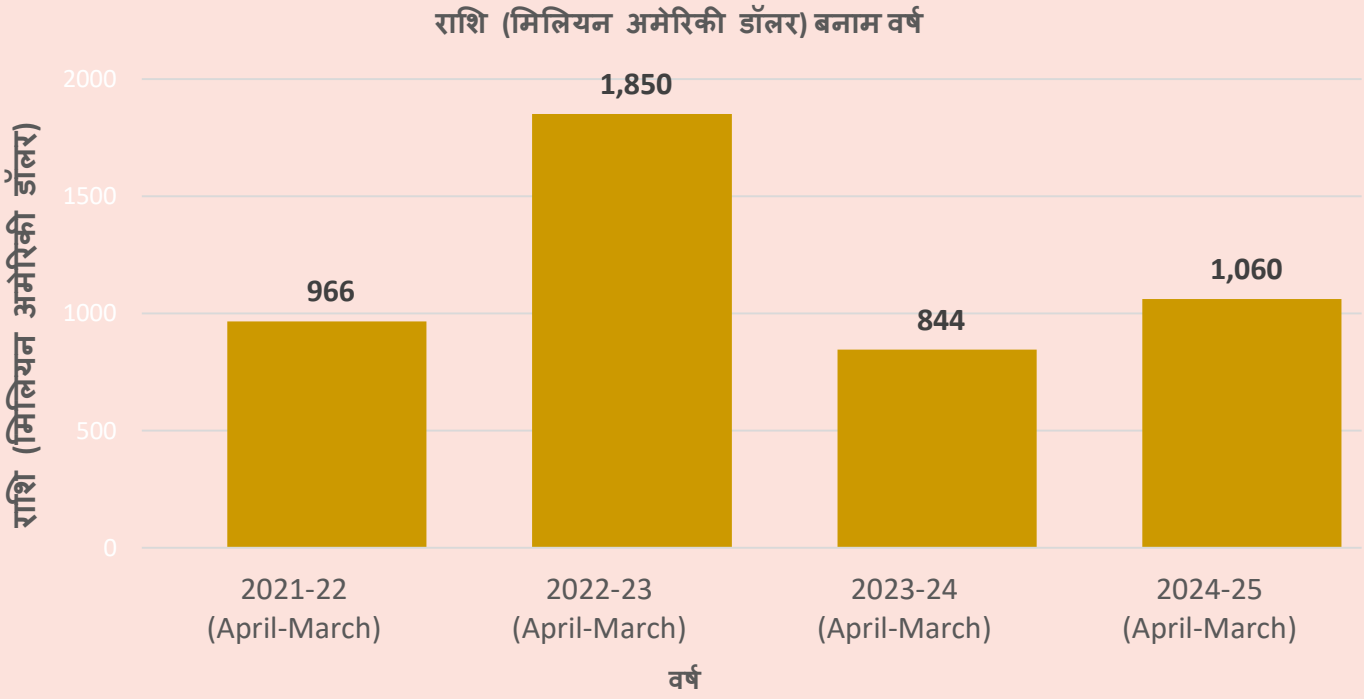

11.2 वे क्षेत्र जो उच्चतम प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (2024-25) आकर्षित कर रहे हैं

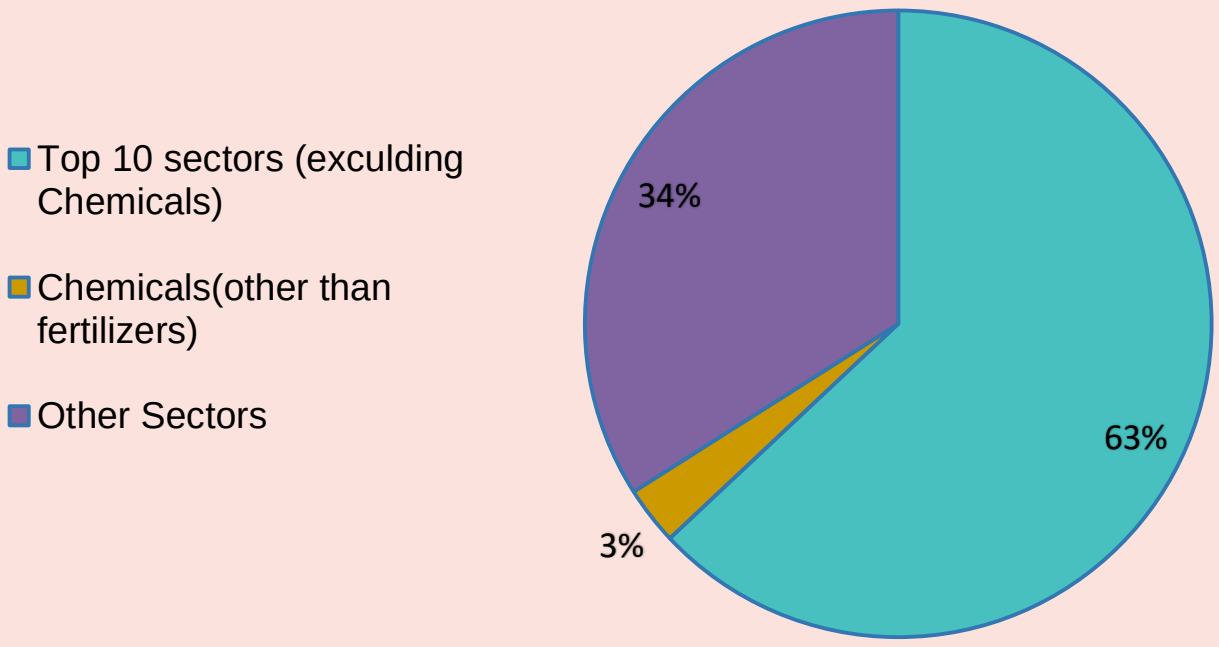

स्रोत:
डीपीआईआईटी

11. भारत में बाजार हिस्सेदारी

11.3 औद्योगिक उत्पादन की वार्षिक वृद्धि दर (%)

(आधार वर्ष: 2011-12 के साथ औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के आधार पर)

वर्ष	रसायन और रासायनिक उत्पाद	उत्पादन	सामान्य
2017-18	-0.3	4.6	4.4
2018-19	2.5	3.9	3.8
2019-20	-0.4	-1.4	-0.8
2020-21	-2.1	-9.6	-8.4
2021-22	4.3	11.8	11.4
2022-23	6.9	4.7	5.2
2023-24	-1.5	5.5	5.9
2024-25	1.5	4.1	4.0

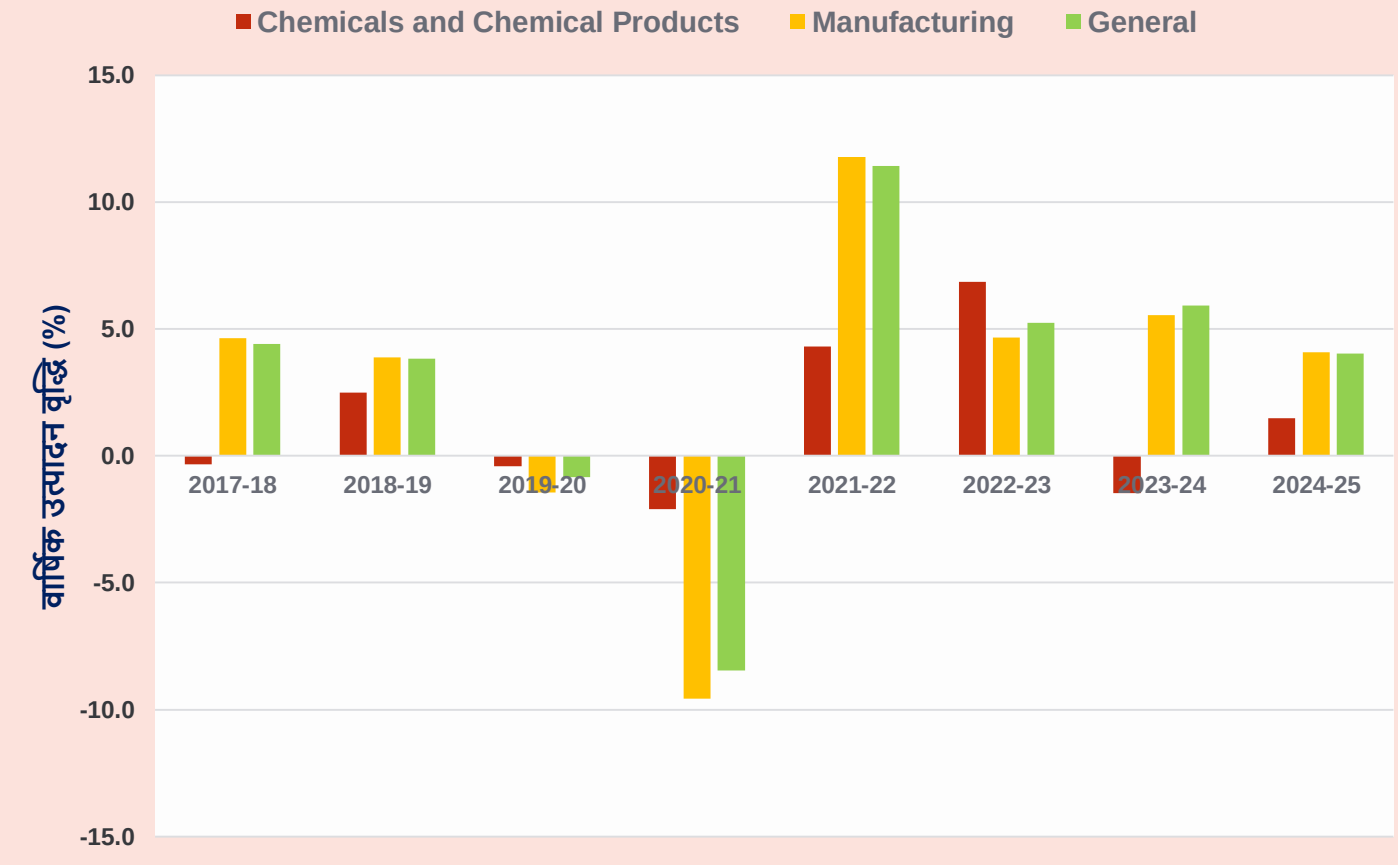

स्रोत: एमओएसपीआई

11. भारत में बाजार हिस्सेदारी

11.4 वार्षिक मुद्रास्फीति (%)

(आधार वर्ष: 2011-12 के साथ थोक मूल्य सूचकांक के आधार पर)

वर्ष	सभी वस्तुएँ	खाद्य सामग्री	निर्मित उत्पाद	रसायन और रासायनिक उत्पाद	रबर और प्लास्टिक उत्पाद
2016-2017	1.7	4	1.4	-1.4	-0.65
2017-2018	3	2.1	2.8	1.4	0.09
2018-2019	4.3	0.3	3.6	5.9	1.86
2019-2020	1.7	8.4	0.3	-1.3	-1.00
2020-2021	1.3	3.1	2.7	0.6	2.58
2021-2022	13	4.1	11.1	12.9	12.13
2022-2023	9.4	7.3	5.6	8.9	3.93
2023-2024	-0.7	6.6	-1.7	-5.8	-1.70
2024-2025	2.3	7.3	1.7	-0.2	1.18

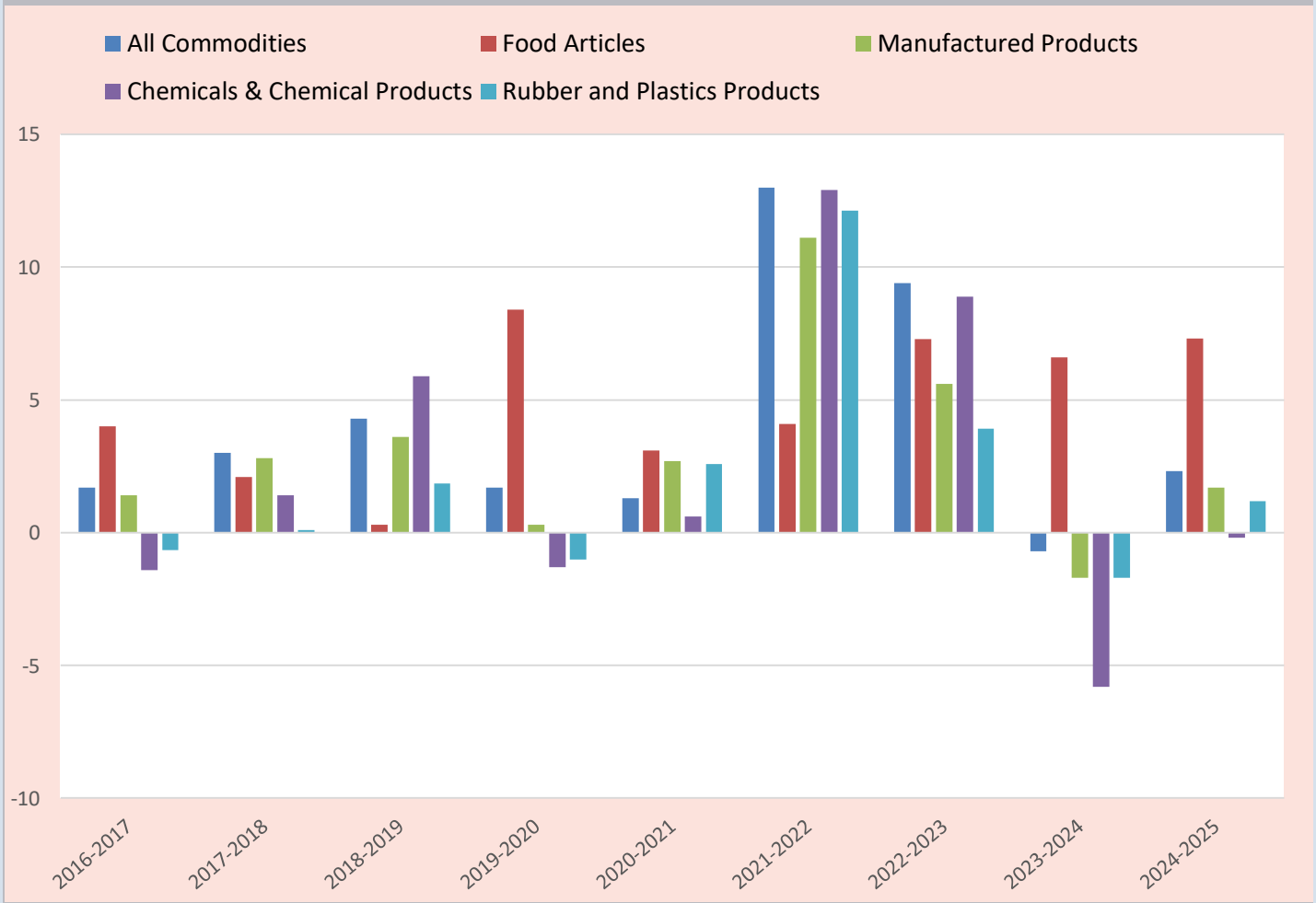

स्रोत:
डीपीआईआईटी

11. भारत में बाजार हिस्सेदारी

11.5. भारत में प्रमुख रसायनों और पेट्रोरसायनों का उत्पादन (2024-2025)

11.5.1. भारत में प्रमुख रसायनों और पेट्रोरसायनों का उत्पादन

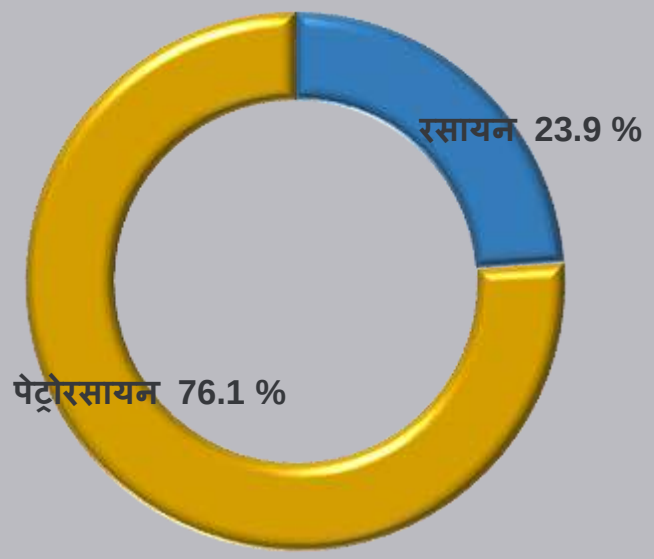

11.5.2. भारत में चयनित पेट्रोरसायनों का उत्पादन

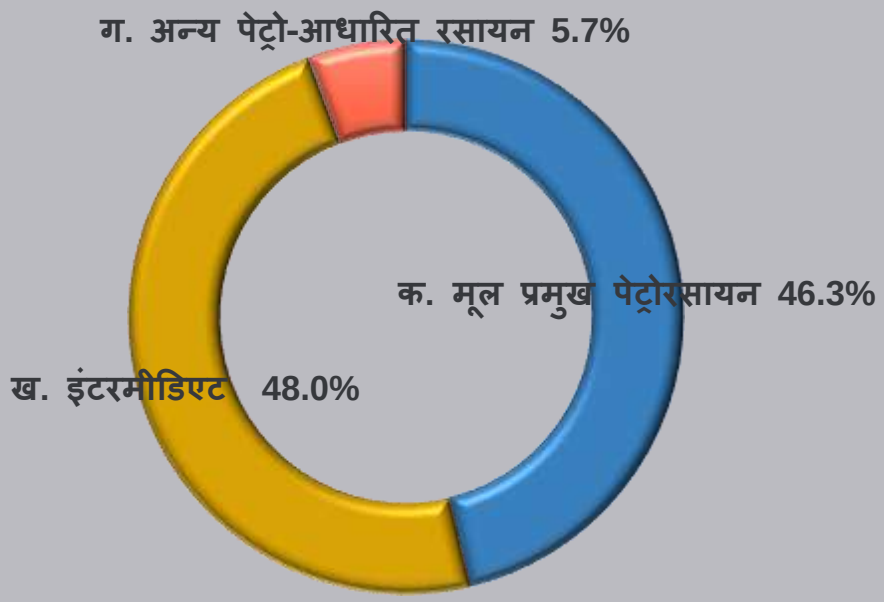

स्रोत: डीसीपीसी

12. रसायन एवं पेट्रोरसायन उत्पादों का समूहवार वर्गीकरण और उनके उपयोग:

रसायन

क्षार रसायन

1. साबुन और डिटर्जेंट उत्पादन

2. पीएच स्तर को समायोजित करने के लिए जल उपचार

3. कृषि में पीएच विनियमन

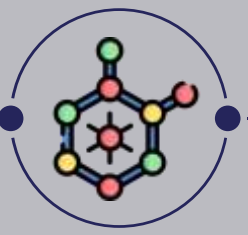

इनऑर्गेनिक रसायन

1. फसल की पैदावार बढ़ाने के लिए उर्वरक

2. पेंट और वस्त्रों में प्रयुक्त पिगमेंट और डाई

3. सीमेंट और जिप्सम जैसी निर्माण सामग्री

ऑर्गेनिक रसायन

1. दवाओं में सक्रिय तत्व।

2. प्लास्टिक, सिंथेटिक फाइबर, कोटिंग्स और चिपकने वाले पदार्थों के उत्पादन के लिए बिल्डिंग ब्लॉक्स

3. प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों में परिरक्षक, स्वादवर्धक और रंगवर्धक पदार्थ

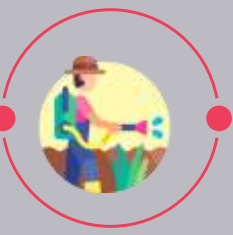

कीटनाशकों (तकनीकी श्रेणी)

1. कृषि में फसलों को कीटों, खरपतवारों और रोगों जैसे नुकसान से बचाने के लिए।

2. पशुओं को संक्रमित करने वाले और उनके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाले परजीवियों जैसे कि टिक और पिस्सू को नियंत्रित करने के लिए।

3. मलेरिया, डेंगू बुखार और लाइम रोग जैसी बीमारियों के प्रसार को कम करने के लिए

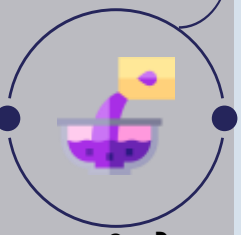

डाई और पिगमेंट

1. वस्त्र उद्योग में कपास, रेशम, ऊन और सिंथेटिक सामग्री जैसे कपड़ों और रेशों को रंगने के लिए।

2. समाचार पत्र छपाई, पैकेजिंग सामग्री, लेबल और सजावटी छपाई जैसे अनुप्रयोगों के लिए छपाई स्याही में।

3. पेंट, वार्निश और कोटिंग्स में आवश्यक घटक

12. रसायन एवं पेट्रोरसायन उत्पादों का समूहवार वर्गीकरण और उनके उपयोग:

पेट्रोरसायन

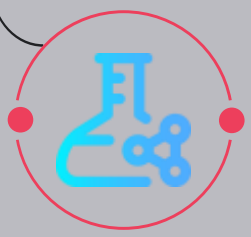

सिंथेटिक फाइबर

1.पॉलिएस्टर नायलॉन, एक्रिलिक और स्पैन्डेक्स का उपयोग वस्त्र और परिधान के उत्पादन में व्यापक रूप से किया जाता है।

2. कालीन, गलीचे, असबाब, पर्दे और बिस्तर सामग्री का निर्माण।

3. निर्माण, ऑटोमोटिव और एयरोस्पेस उद्योगों के लिए कंपोजिट में सुदृढ़ीकरण सामग्री।

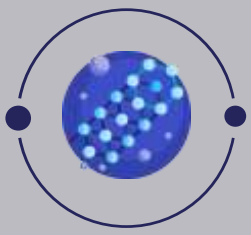

पॉलिमर

1. पैकेजिंग सामग्री, कंटेनर, खिलौने, ऑटोमोटिव पार्ट्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, पाइप और फर्नीचर सहित उत्पादों की एक विशाल श्रृंखला में।

2. चिपकने वाले पदार्थों और सीलेंट का निर्माण।

3. कोटिंग्स और पेंट में मौजूद बाइंडर जो सतहों पर एक सुरक्षात्मक परत बनाते हैं, जिससे स्थायित्व, मौसम के प्रभावों से प्रतिरोध और सौंदर्यपूर्ण आकर्षण मिलता है।

सिंथेटिक रबर (इलास्टोमर्स)

1. यात्री कारों के टायर, ट्रकों के टायर और मोटरसाइकिलों के टायर सहित ऑटोमोबाइल टायरों का उत्पादन।

2. विद्युत ट्रांसमिशन और कन्वेयर प्रणालियों के लिए औद्योगिक बेल्ट का उत्पादन।

3. गेंद, ग्रिप और सुरक्षात्मक गियर जैसे खेल के सामान का उत्पादन।

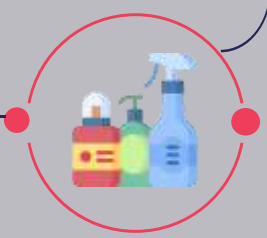

सिंथेटिक डिटर्जेंट इंटरमीडिएट

1. शैंपू, बॉडी वॉश, हैंड सोप और फेशियल क्लींजर सहित व्यक्तिगत देखभाल उत्पादों का उत्पादन।

2. बर्तन धोने वाले डिटर्जेंट का निर्माण, जिसमें बर्तन धोने वाले तरल पदार्थ, पाउडर और डिशवॉशर डिटर्जेंट शामिल हैं।

3. विशिष्ट अनुप्रयोगों के लिए डिज़ाइन किए गए विशेष सफाई उत्पाद, जैसे कालीन क्लीनर, असबाब क्लीनर,
और दाग हटाने वाले पदार्थ।

12. रसायन एवं पेट्रोरसायन उत्पादों का समूहवार वर्गीकरण और उनके उपयोग:

पेट्रोरसायन

परफॉर्मेंस प्लास्टिक

1. इंजन के पुर्जों, ईंधन प्रणालियों, विद्युत कनेक्टर्स, इंटीरियर ट्रिम्स, बॉडी पैनल और हल्के संरचनात्मक भागों में।

2. चिकित्सा उपकरण, प्रत्यारोपण, शल्य चिकित्सा उपकरण, निदान उपकरण और दवाइयों की पैकेजिंग।

3. कनेक्टर्स, इंसुलेटर, सर्किट बोर्ड, केबल इंसुलेशन और इलेक्ट्रॉनिक एनक्लोजर में।

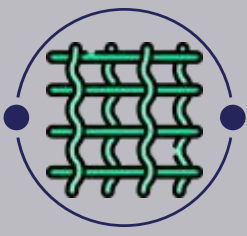

फाइबर इंटरमीडिएट

1. शुद्ध टेरेफ्थैलिक अम्ल (पीटीए) पॉलिएस्टर फाइबर के उत्पादन में प्रयुक्त एक प्रमुख फाइबर इंटरमीडिएट है।

2. कैप्रोलैक्टम नायलॉन 6 फाइबर के उत्पादन में प्रयुक्त एक फाइबर इंटरमीडिएट है।

3. नायलॉन 6,6 फाइबर का उत्पादन।

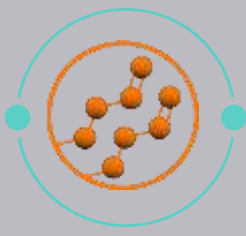

ओलेफिन्स

1. ओलेफिन, जैसे कि प्रोपिलीन और ब्यूटेन, विभिन्न औद्योगिक प्रक्रियाओं में विलायक के रूप में पदार्थों को घोलने या फैलाने, सतहों की सफाई करने और रासायनिक प्रतिक्रियाओं में प्रतिक्रिया माध्यम के रूप में उपयोग किए जाते हैं।

2. पॉली अल्फाओलेफिन (पीएओ) जैसे ओलेफिन का उपयोग स्नेहक के उत्पादन में आधार तेल के रूप में किया जाता है।

3. ओलेफिन, विशेष रूप से एथिलीन और प्रोपिलीन, ईंधन और ऊर्जा स्रोतों के उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण कच्चे माल के रूप में काम करते हैं।

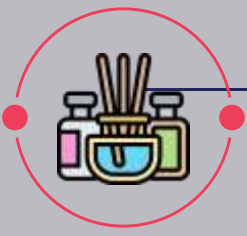

एरोमेटिक्स

1. पेंट, वार्निश और सुरक्षात्मक कोटिंग्स के परफॉर्मेंस को बढ़ाना।

2. औषधीय यौगिकों के संश्लेषण में प्रयुक्त बिल्डिंग ब्लॉक।

3. सुगंध प्रदान करने के लिए परफ्यूम, कोलोन, सौंदर्य प्रसाधन, साबुन और घरेलू उत्पाद।

अन्य पेट्रो-आधारित रसायन

1. कृषि में फल विकास को बढ़ावा देने और फसल की पैदावार में सुधार करने के लिए ब्यूटेनॉल का उपयोग वृद्धि नियामक के रूप में किया जा सकता है।

2. पॉलीओल्स का उपयोग रेजिन और कोटिंग्स के उत्पादन में किया जाता है।

3. फार्मास्यूटिकल्स, कीटनाशकों और रबर रसायनों का उत्पादन।

13. वर्तमान परिदृश्य

13.1 प्रमुख रसायन और स्थापित क्षमता तथा वर्ष 2024-2025 के दौरान उत्पादन में उनकी हिस्सेदारी

समूह	क्षमता	उत्पादन
		(आंकड़े) हजार मीट्रिक टन में
क्षार रसायन	11943	9938
इनऑर्गेनिक रसायन	1650	1197
ऑर्गेनिक रसायन	2971	2189
कीटनाशकों (तकनीकी)	438	287
डाई और पिगमेंट	647	372

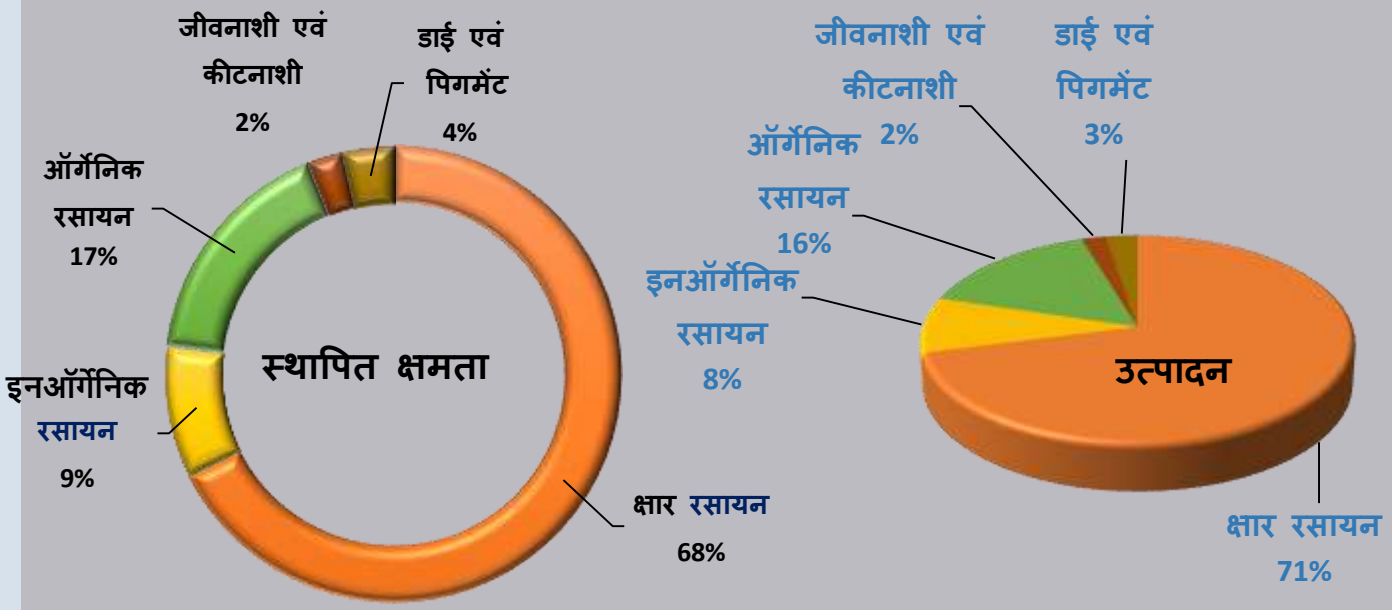

स्रोत: डीसीपीसी

13. वर्तमान परिदृश्य

13.2 प्रमुख पेट्रोरसायन और 2024-2025 के दौरान उत्पादन में उनकी हिस्सेदारी

समूह	क्षमता	उत्पादन
		(आंकड़े) हजार मीट्रिक टन में)
सिंथेटिक फाइबर	4504	4137
फाइबर इंटरमीडिएट	6500	5440
पॉलिमर	12952	13367
सिंथेटिक रबर	403	411
सिंथेटिक डिटर्जेंट इंटरमीडिएट	722	823
परफॉर्मेंस प्लास्टिक	3060	1904
ओलेफिन	13904	13284
एरोमेटिक्स	7561	2696
अन्य पेट्रोरसायन	2689	2572

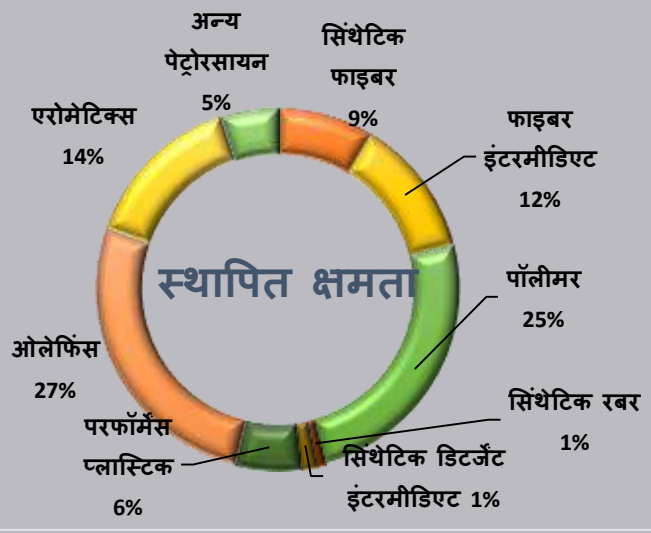

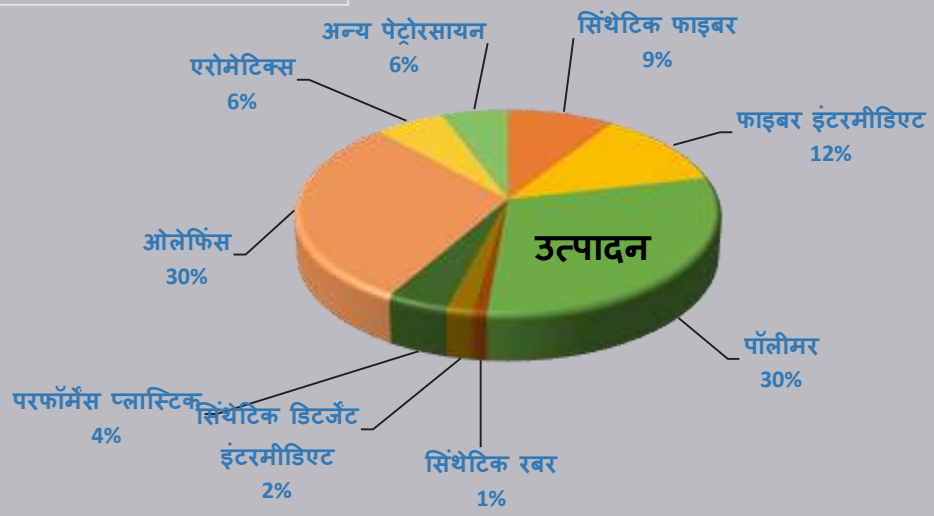

स्रोत: डीसीपीसी

13. वर्तमान परिदृश्य

13.3 प्रमुख रसायन और वर्ष 2024-2025 के दौरान आयात और निर्यात मात्रा एवं मूल्य में उनकी हिस्सेदारी

समूह	आयात		निर्यात	
	मात्रा	कीमत	मात्रा	मान
	(मात्रा मीट्रिक टन में, मान) रुपये लाख)			
क्षार रसायन	1176093	261710	862868	293860
इनऑर्गेनिक रसायन	928074	387640	499412	482483
ऑर्गेनिक रसायन	5099717	2055883	318247	244114
जीवनाशी और कीटनाशी	75636	930296	590526	3145412
डाई और पिगमेंट	54942	319220	535642	2089476

आयात

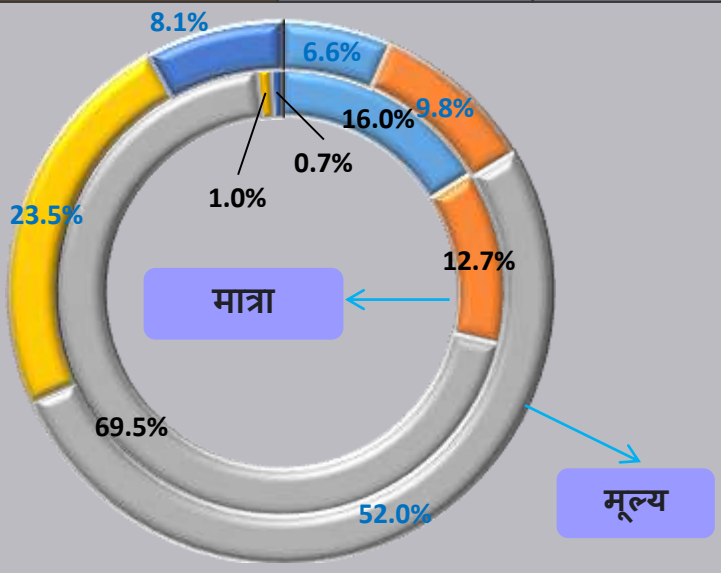

निर्यात

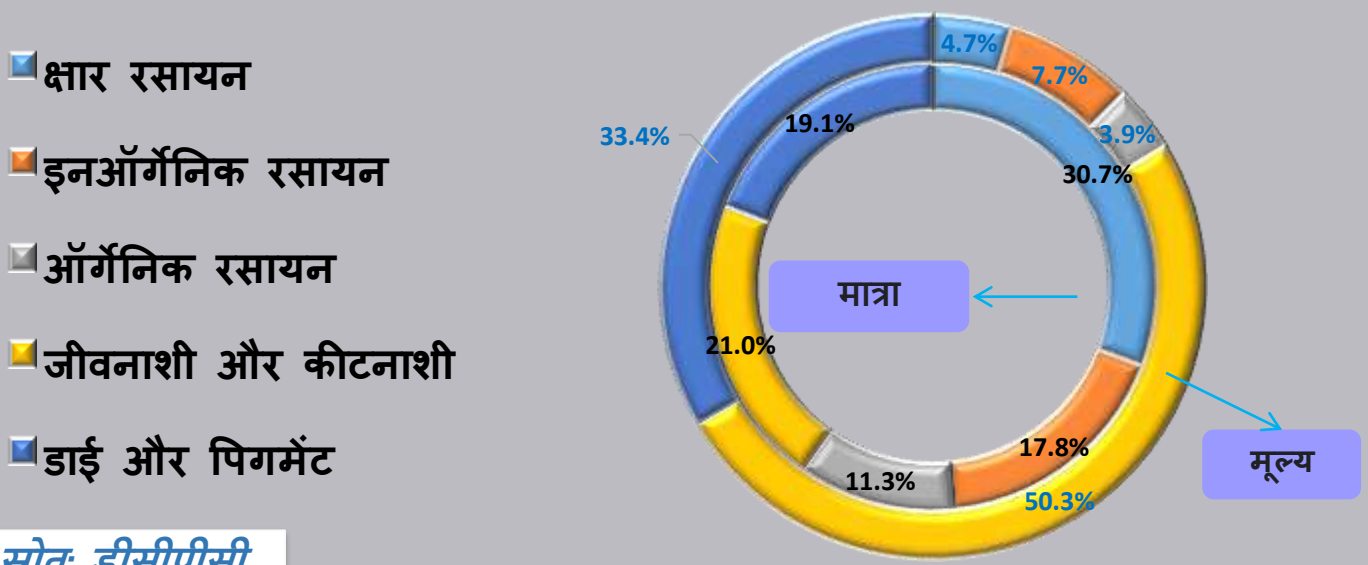

स्रोत: डीसीपीसी

13. वर्तमान परिदृश्य

13.4 प्रमुख पेट्रोरसायन और वर्ष 2024-2025 के दौरान आयात और निर्यात मात्रा एवं मूल्य में उनकी हिस्सेदारी

समूह	आयात		निर्यात	
	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
				(मात्रा मीट्रिक टन में, मान) रुपये लाख
सिंथेटिक फाइबर	397816	576082	806398	993853
फाइबर मध्यवर्ती	3486813	2191973	36919	43434
पॉलिमर	4191350	3932223	743167	704720
सिंथेटिक रबर	829492	1319243	111210	132704
सिंथेटिक डिटर्जेंट मध्यवर्ती	287428	368395	3158	4962
परफॉर्मेंस प्लास्टिक	426614	532831	141716	224729
ओलेफिन	63174	57361	188344	192291
सुगंधित पदार्थ	1795425	1486329	1697190	1381349
अन्य पेट्रोरसायन	3620579	3219382	216469	215932

स्रोत: डीसीपीसी

13. वर्तमान परिदृश्य

13.4 प्रमुख पेट्रोरसायन और वर्ष 2024-2025 के दौरान आयात और निर्यात मात्रा एवं मूल्य में उनकी हिस्सेदारी

आयात

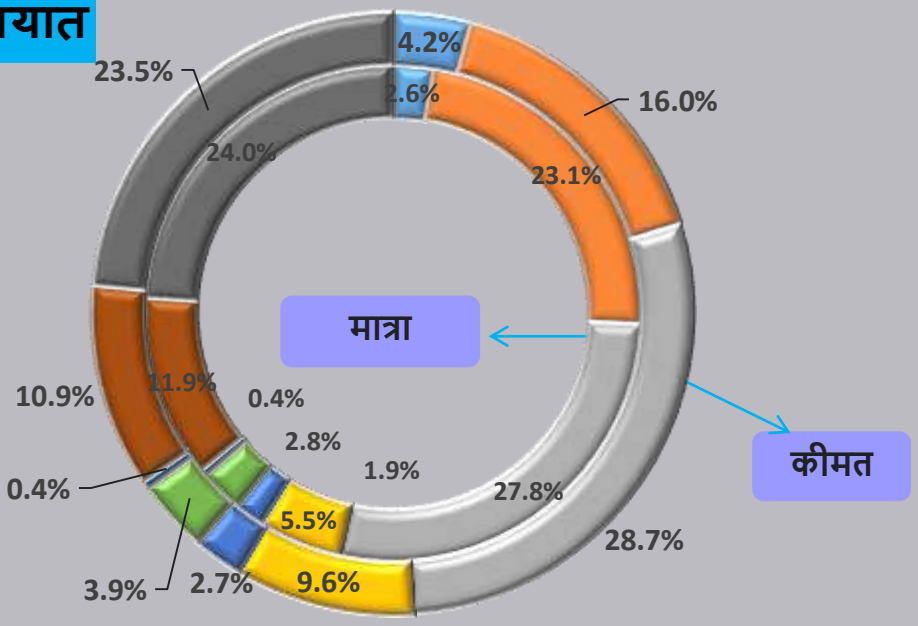

निर्यात

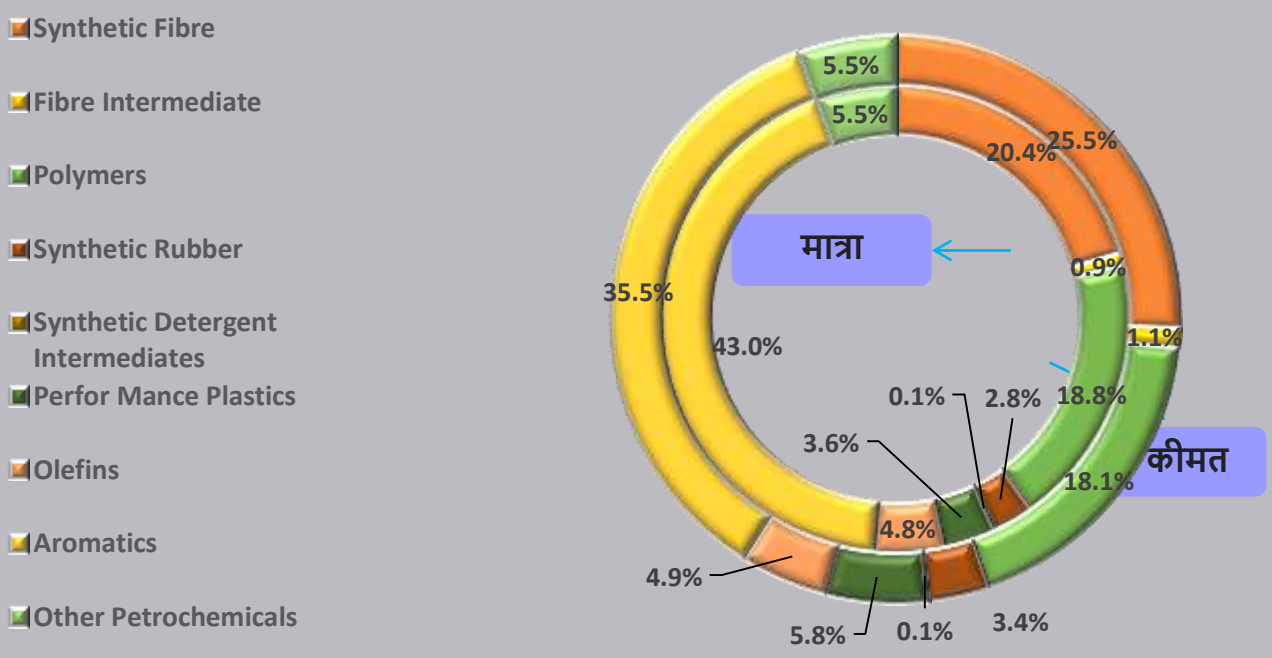

स्रोत: डीसीपीसी

14.चयनित सीपीसी क्षेत्र की स्थिति (स्थापित क्षमता और उत्पादन)

वर्ष	स्थापित क्षमता	उत्पादन		
		मूल रसायन	मूल पीसी	कुल
				(आंकड़े *हजार मीट्रिक टन में*)
2019-20	**64093**	11943	43524	**55467**
2020-21	**66091**	11243	42159	**53402**
2021-22	**66790**	12743	44589	**57332**
2022-23	**67317**	13039	40292	**53331**
2023-24	**69308**	12979	42161	**55140**
2024-25	**69942**	13983	44634	**58617**

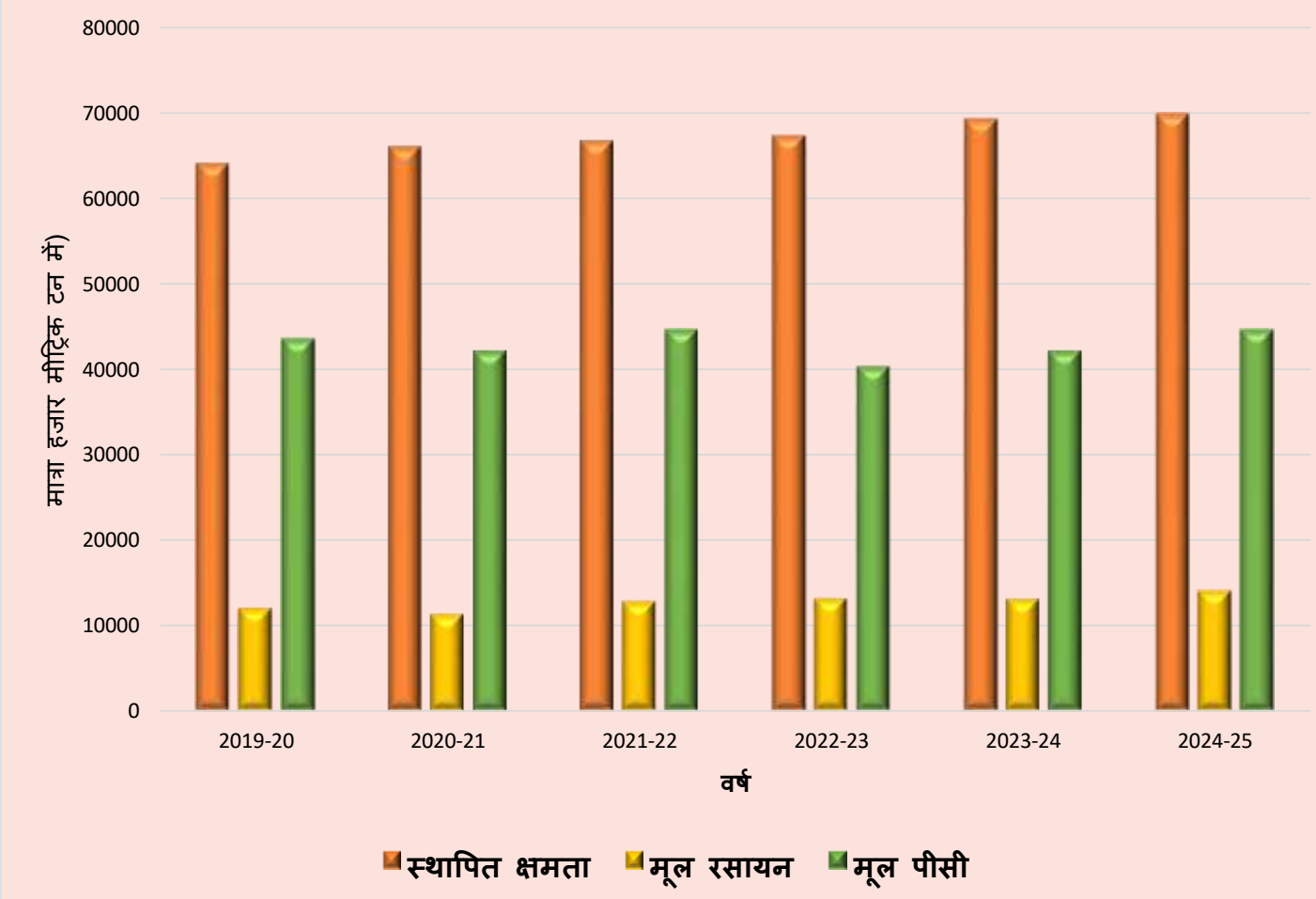

स्रोत:
डीसीपीसी

15. भारतीय चयनित सीपीसी उद्योग परिदृश्य

रसायन एवं पेट्रोरसायन के निर्यात, आयात और निवल आयात* (*हजार करोड़ रूपए में*)

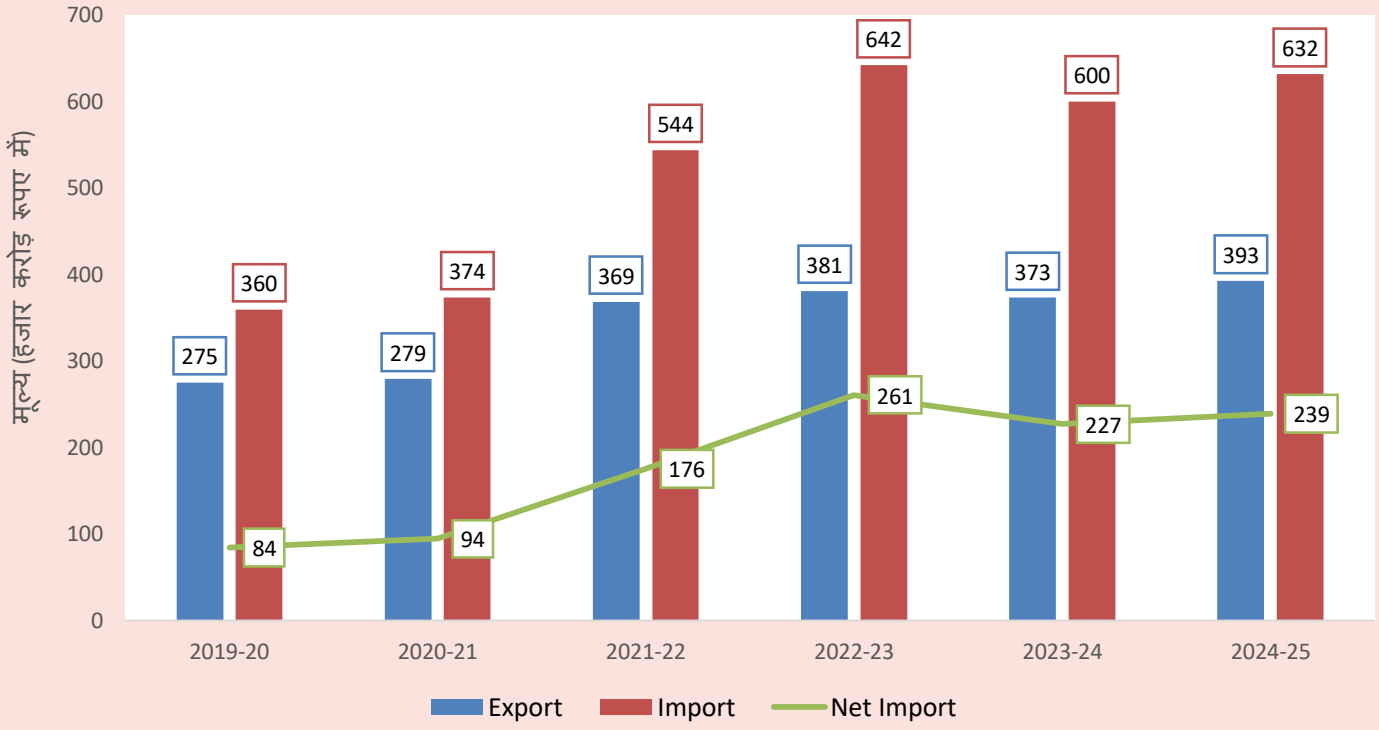

रसायन एवं पेट्रोरसायन के निर्यात, आयात और निवल आयात* (बिलियन अमेरिकी डॉलर में)

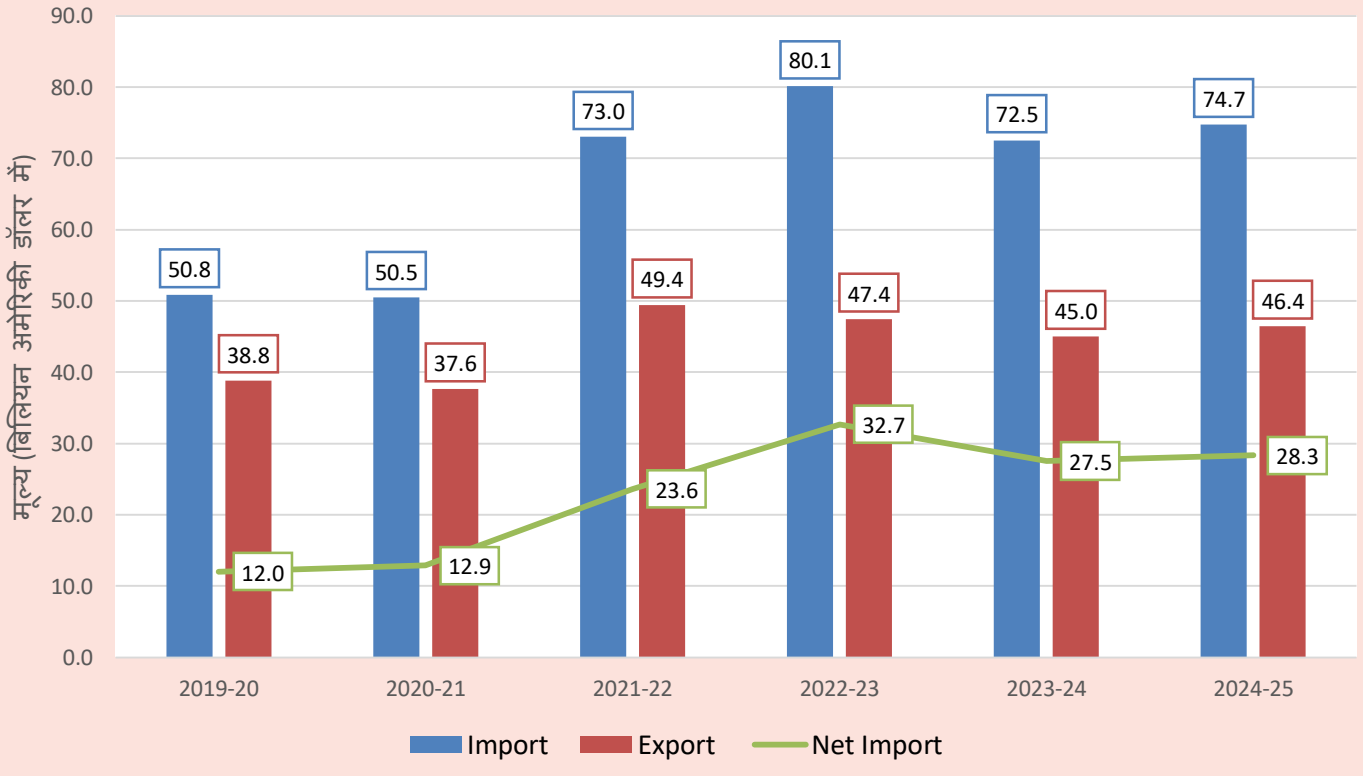

स्रोत:
डीजीसीआईएस

16. कुल उत्पादन, निर्यात, आयात और बाजार के आकार (करोड़ में) के बीच तुलनात्मक अध्ययन

वर्ष	कुल उत्पादन (लाख करोड़ में)	निर्यात (लाख करोड़ में)	आयात (लाख करोड़ में)	बाजार का आकार (लाख करोड़ में)
2012-13	5.16	1.51	2.10	5.75
2013-14	5.59	1.78	2.41	6.22
2014-15	6.32	1.78	2.63	7.17
2015-16	6.74	1.81	2.62	7.55
2016-17	6.67	1.90	2.69	7.46
2017-18	7.36	2.19	3.18	8.35
2018-19	9.62	2.84	3.95	10.73
2019-20	9.77	2.75	3.60	10.61
2020-21	9.61	2.79	3.74	10.56
2021-22	12.96	3.69	5.44	14.72
2022-23	15.93	3.81	6.42	18.54
2023-24	15.14	3.73	6.00	17.41

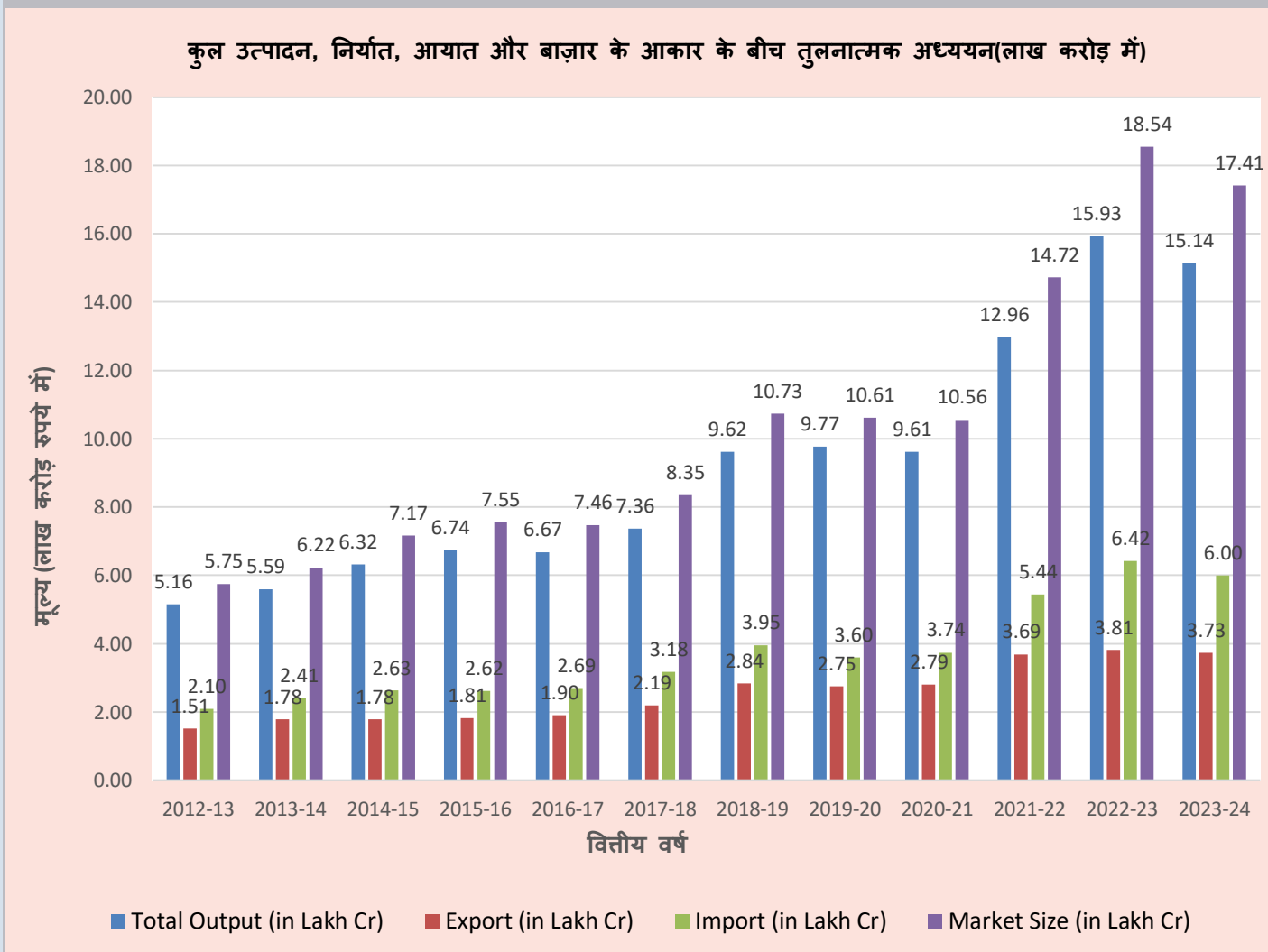

स्रोत: एमओएसपीआईऔर डीजीसीआईएस

16. कुल उत्पादन, निर्यात, आयात और बाजार के आकार के बीच तुलनात्मक अध्ययन (अरब अमेरिकी डॉलर में)

वर्ष	कुल आउटपुट (बिलियन अमेरिकी डॉलर में)	निर्यात (बिलियन अमेरिकी डॉलर में)	आयात (में USDअरबों)	बाज़ार आकार (में USDअरबों)
2012-13	95	28	39	106
2013-14	92	29	40	103
2014-15	103	29	43	117
2015-16	103	28	40	115
2016-17	99	28	40	111
2017-18	114	34	49	130
2018-19	138	41	56	154
2019-20	138	39	51	150
2020-21	130	38	50	142
2021-22	174	49	73	198
2022-23	198	47	80	231
2023-24	183	45	73	210

कुल आउटपुट, निर्यात, आयात और बाजार के आकार के बीच तुलनात्मक अध्ययन (बिलियन अमेरिकी डॉलर में

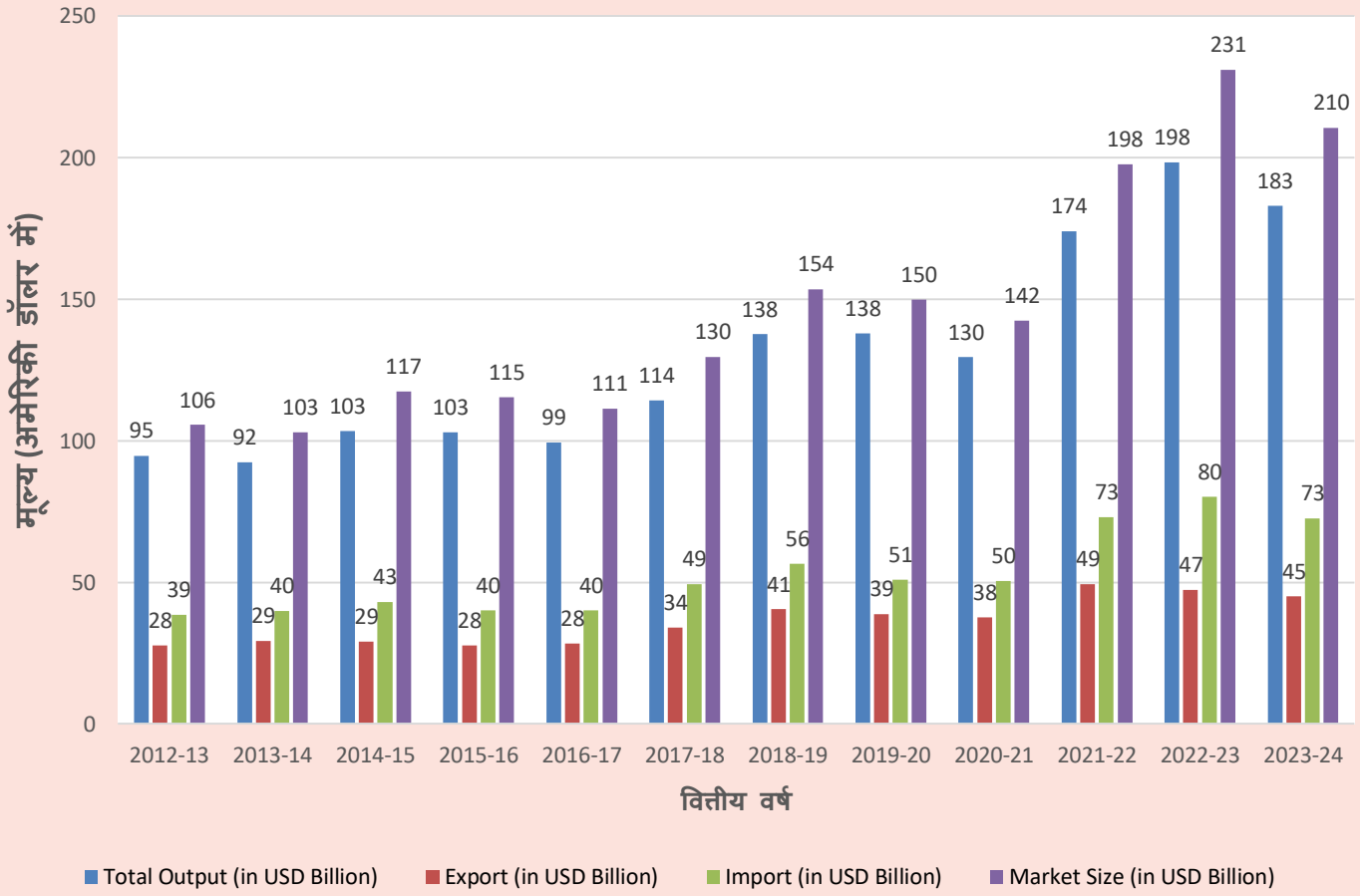

स्रोत: एमओएसपीआईऔर डीजीसीआईएस

17. सीपीसी क्षेत्र की प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) वृद्धि दर का सभी क्षेत्रों के साथ तुलनात्मक अध्ययन

वर्ष	समग्र क्षेत्र (करोड़ रुपये में)	रसायन एवं पेट्रोरसायन क्षेत्र (करोड़ रुपये में)
2017-18	2,88,889	8,425
2018-19	3,09,867	13,685
2019-20	3,53,557	7,492
2020-21	4,42,569	6,300
2021-22	4,37,188	7,202
2022-23	3,67,435	14,662
2023-24	3,67,899	6,985
2024-25	4,21,929	8,942

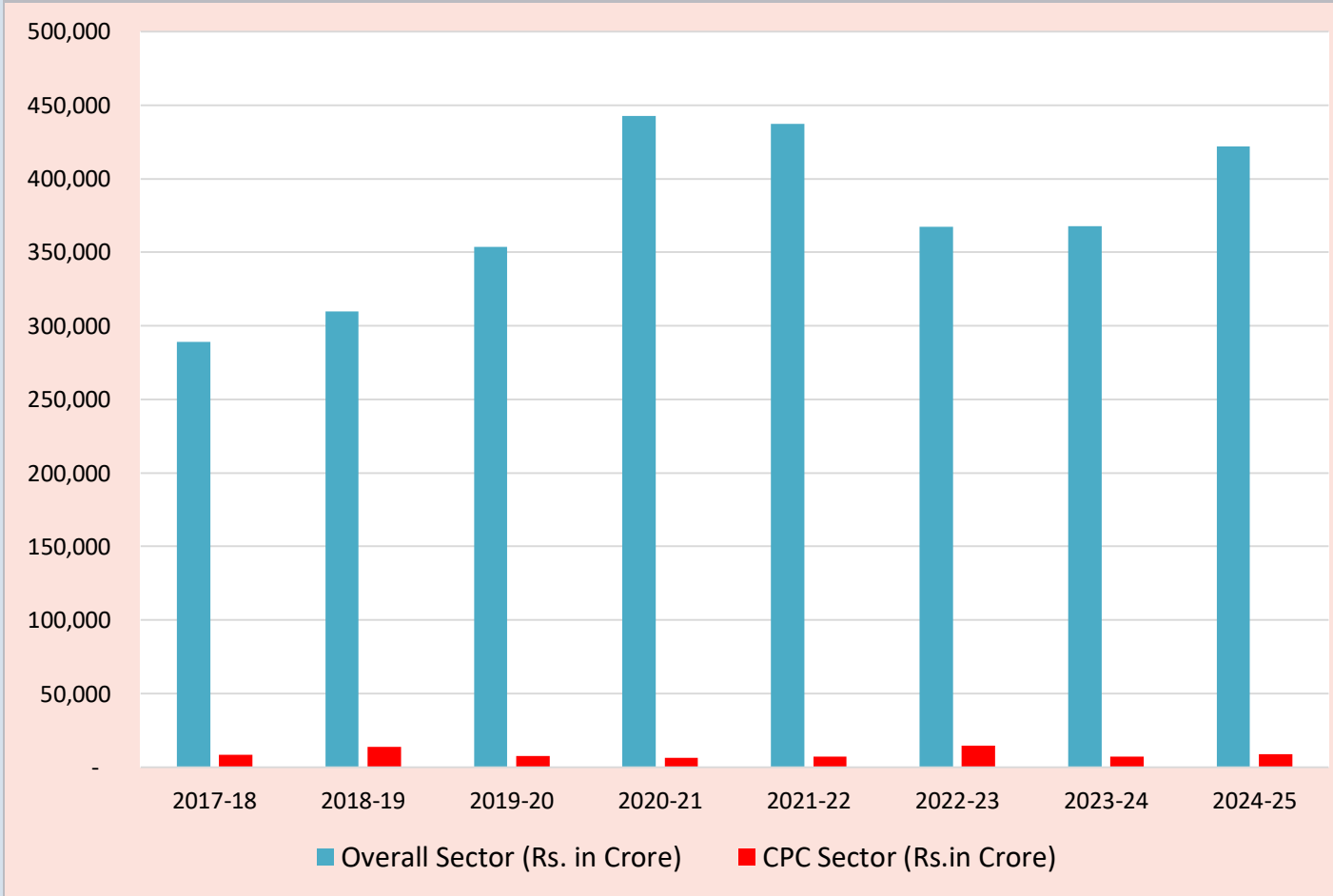

स्रोत:
डीपीआईआईटी

18. वर्तमान कीमतों पर सीपीसी क्षेत्र के सकल मूल्य (जीवीए) का तुलनात्मक अध्ययन

18.1 सीपीसी क्षेत्र के जीवीए का तुलनात्मक अध्ययन (एनआईसी 20)

(करोड़ रुपये में)

वर्ष	जीवीए सीपीसी (एनआईसी 20)	जीवीए(एमएस)	जीवीए (अखिल भारत)	सकल घरेलू उत्पाद
2019-20	265747	2705101	18381117	20103593
2020-21	285458	2803495	18210997	19854096
2021-22	311203	3392605	21635584	23597399
2022-23	319535	3534867	24646698	26890473
2023-24	316036	3921596	27412888	30122956

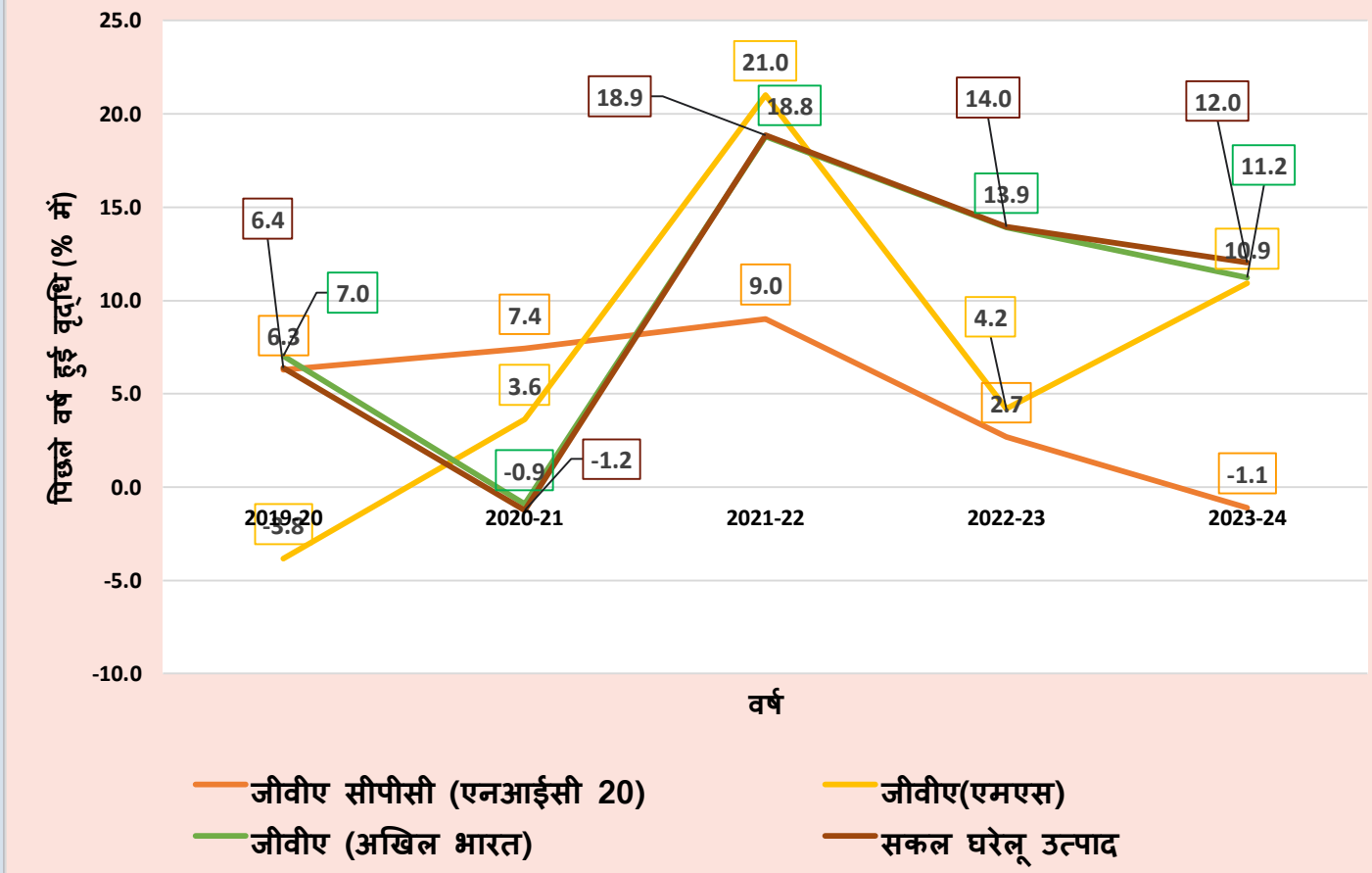

स्रोत: एमओएसपीआई

18. वर्तमान मूल्य पर सीपीसी क्षेत्र के जीवीए का तुलनात्मक अध्ययन

18.2 सीपीसी क्षेत्र के जीवीए पर तुलनात्मक अध्ययन (एनआईसी 20 + एनआईसी 22)

(करोड़ रुपये में)

वर्ष	जीवीए सीपीसी (एनआईसी 20+एनआईसी 22)	जीवीए(एमएस)	जीवीए (अखिल भारत)	सकल घरेलू उत्पाद
2019-20	385460	2705101	18381117	20103593
2020-21	410973	2803495	18210997	19854096
2021-22	449528	3392605	21635584	23597399
2022-23	467224	3534867	24646698	26890473
2023-24	477234	3921596	27412888	30122956

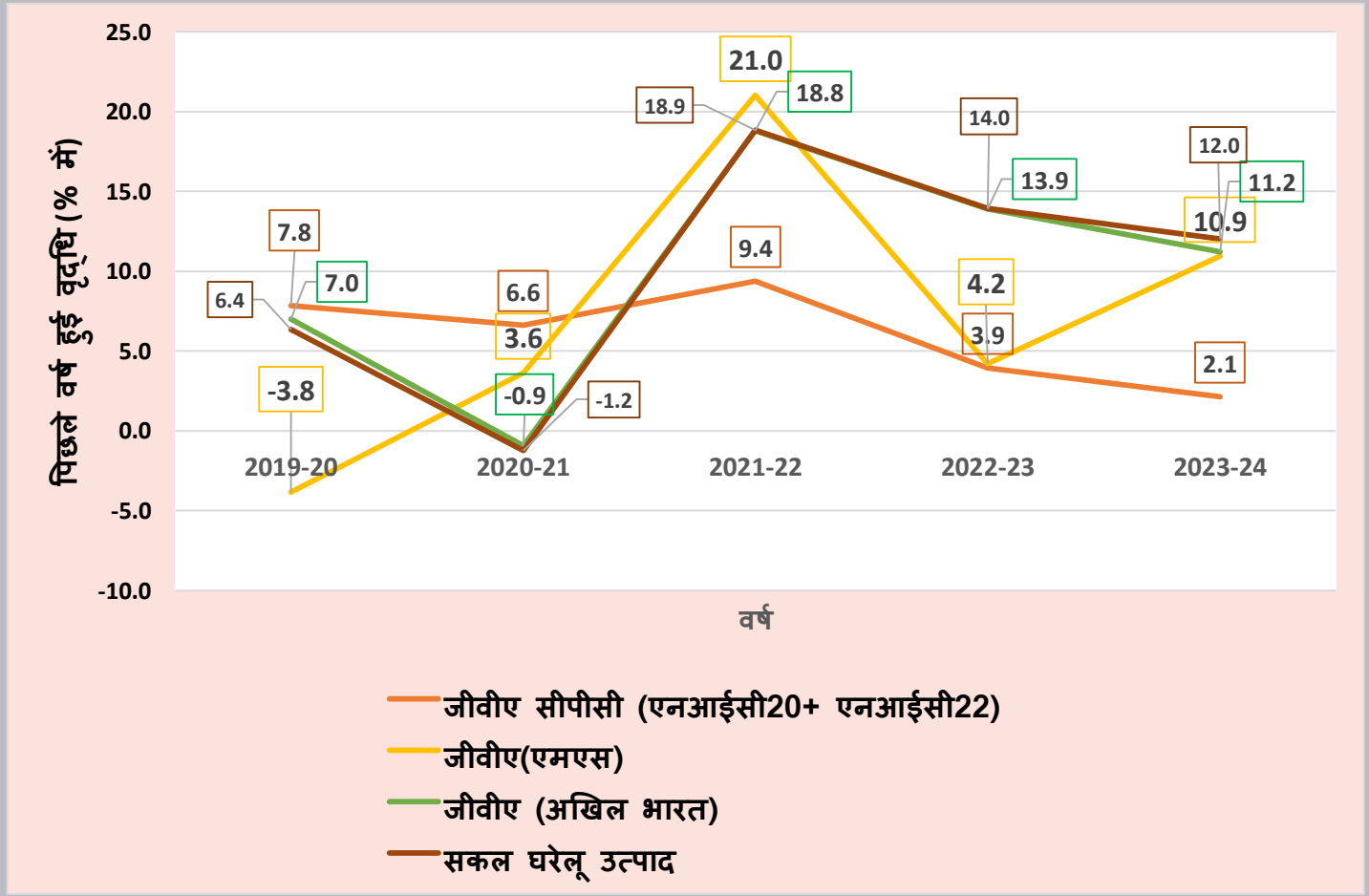

स्रोत: एमओएसपीआई

18.क. वर्तमान मूल्य पर जीवीए (सीपीसी) का हिस्सा

18.क.1 जीवीए सीपीसी का हिस्सा (एनआईसी 20)

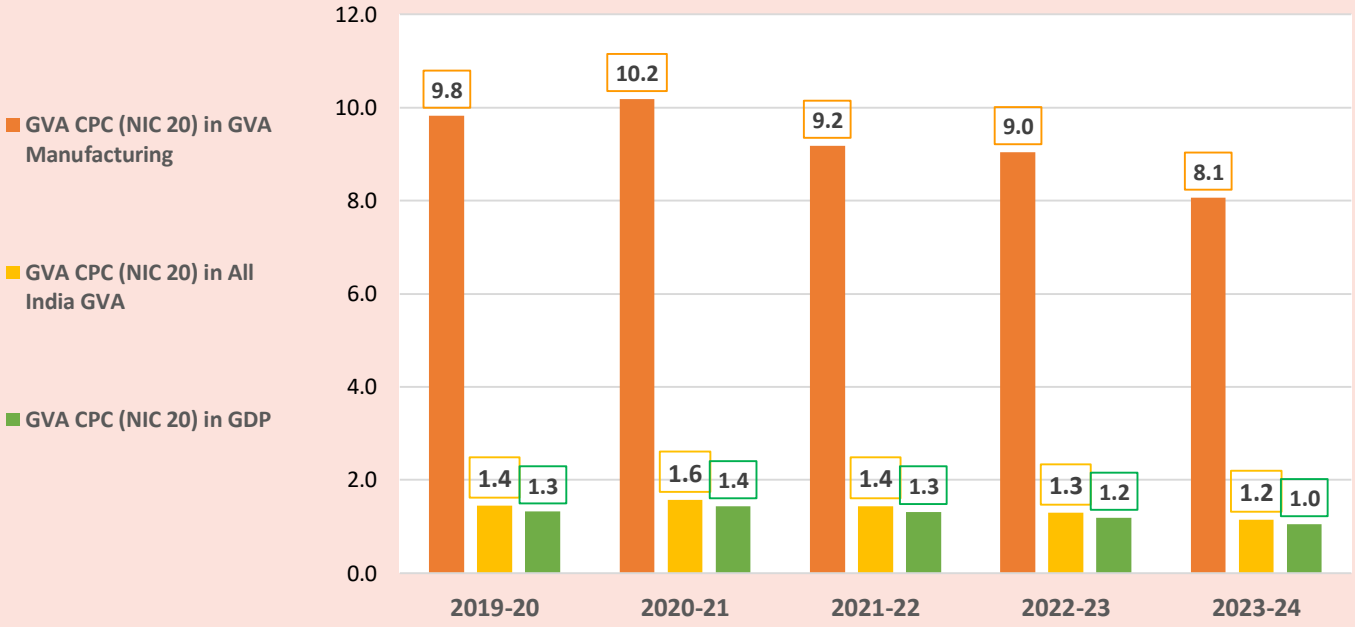

18.क.2 जीवीए सीपीसी का हिस्सा (एनआईसी 20 + एनआईसी 22)

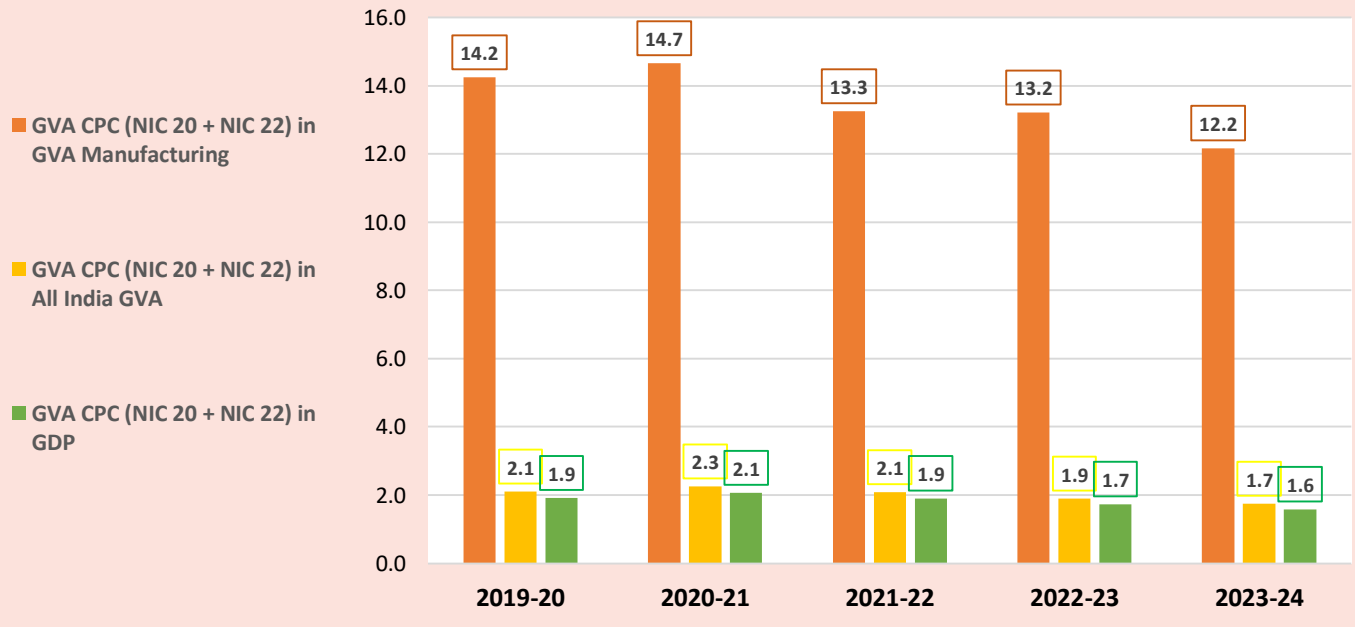

स्रोत: एमओएसपीआई

19. वर्तमान मूल्य पर सीपीसी क्षेत्र के उत्पादन का तुलनात्मक अध्ययन

19.1 सीपीसी क्षेत्र के उत्पादन पर तुलनात्मक अध्ययन (एनआईसी 20)

(करोड़ रुपये में)

वर्ष	आउटपुट सीपीसी (एनआईसी 20)	आउटपुट (एमएस)	आउटपुट (अखिल भारत)	सकल घरेलू उत्पाद
2019-20	976854	11856161	36486542	20103593
2020-21	961222	11693810	35399855	19854096
2021-22	1296422	15772252	44814549	23597399
2022-23	1593333	18429228	52837827	26890473
2023-24	1514351	19350303	57362300	30122956

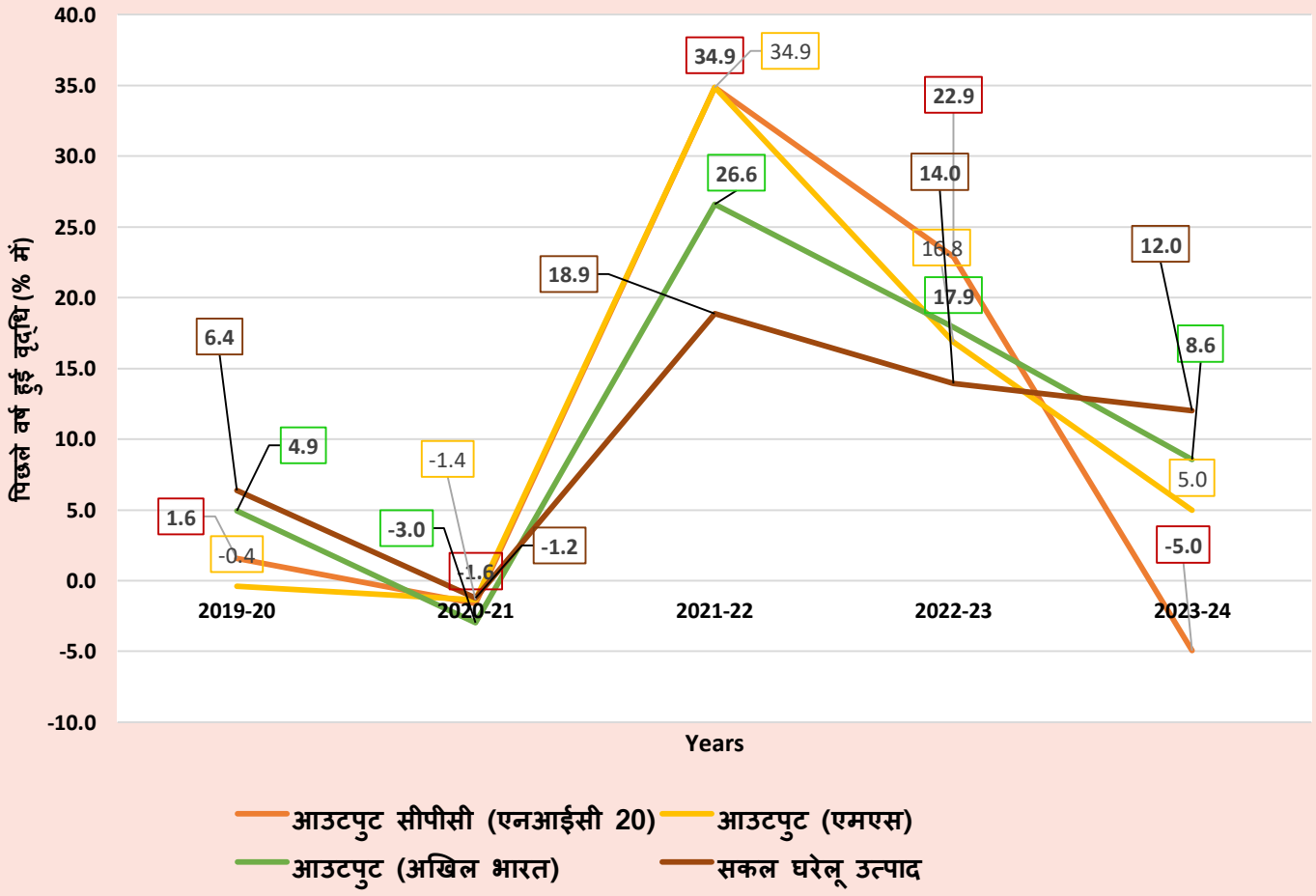

स्रोत: एमओएसपीआई

19. वर्तमान मूल्य पर सीपीसी क्षेत्र के आउटपुट का तुलनात्मक अध्ययन

19.2 सीपीसी क्षेत्र के आउटपुट पर तुलनात्मक अध्ययन (एनआईसी 20 + एनआईसी 22)

(करोड़ रुपये में)

वर्ष	आउटपुट सीपीसी (एनआईसी 20 + एनआईसी 22)	आउटपुट (एमएस)	आउटपुट (अखिल भारत)	सकल घरेलू उत्पाद
2019-20	1421764	11856161	36486542	20103593
2020-21	1421485	11693810	35399855	19854096
2021-22	1910016	15772252	44814549	23597399
2022-23	2270780	18429228	52837827	26890473
2023-24	2229535	19350303	57362300	30122956

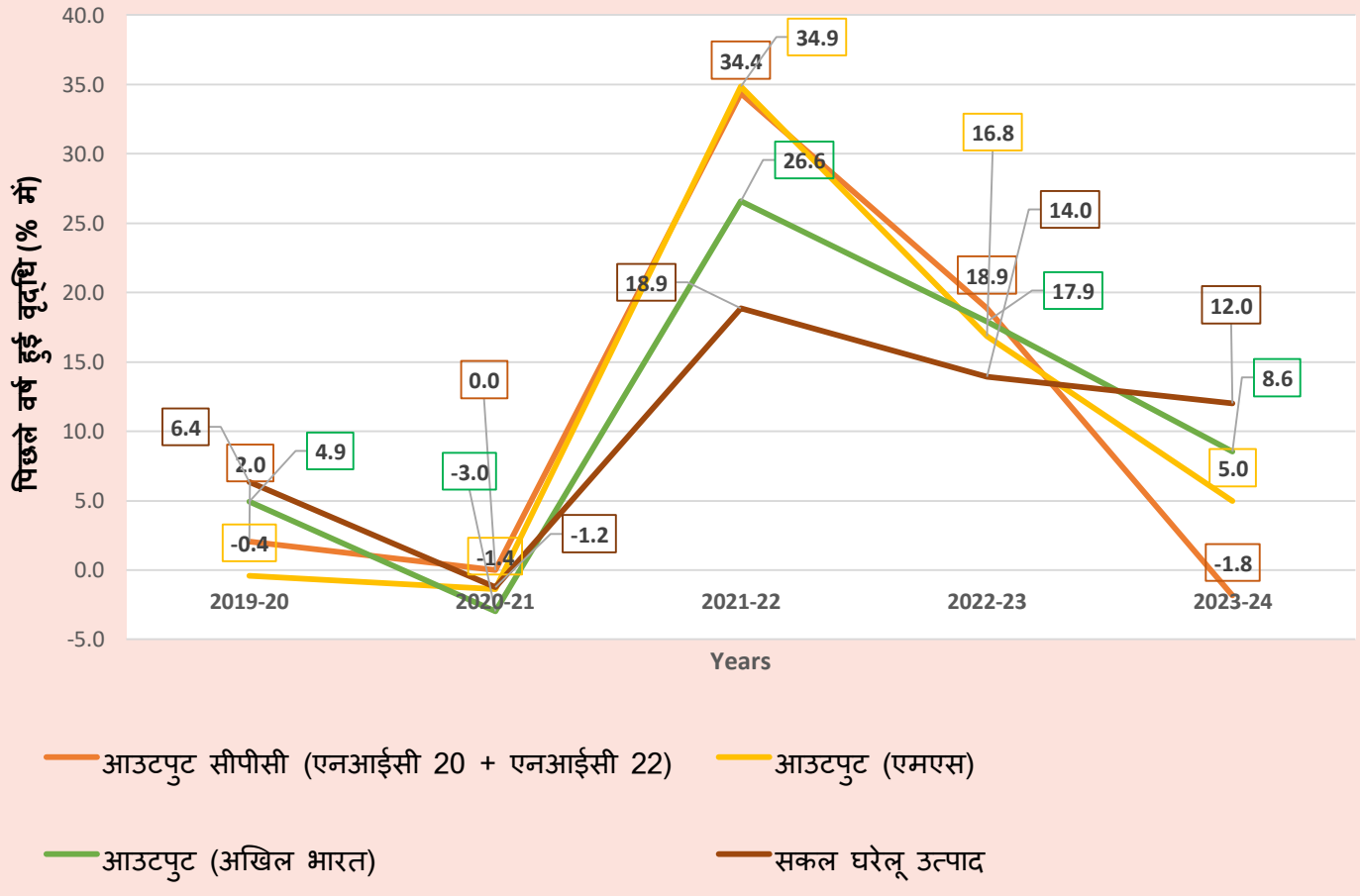

स्रोत: एमओएसपीआई

19.क. वर्तमान कीमतों पर आउटपुट का हिस्सा (सीपीसी)

19.क.1 उत्पादन में सीपीसी का हिस्सा (एनआईसी 20)

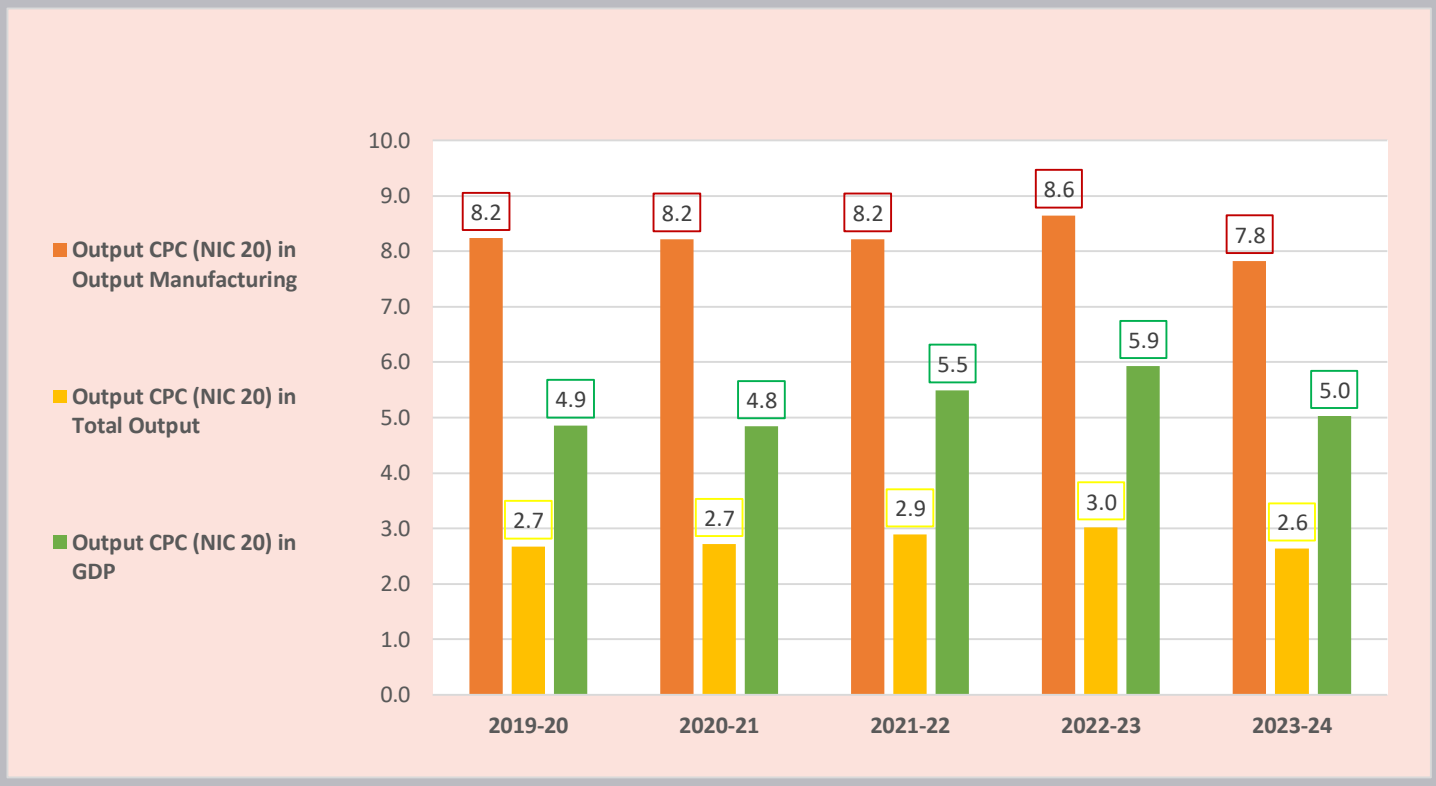

19.क.2 आउटपुट सीपीसी का हिस्सा (एनआईसी 20 + एनआईसी 22)

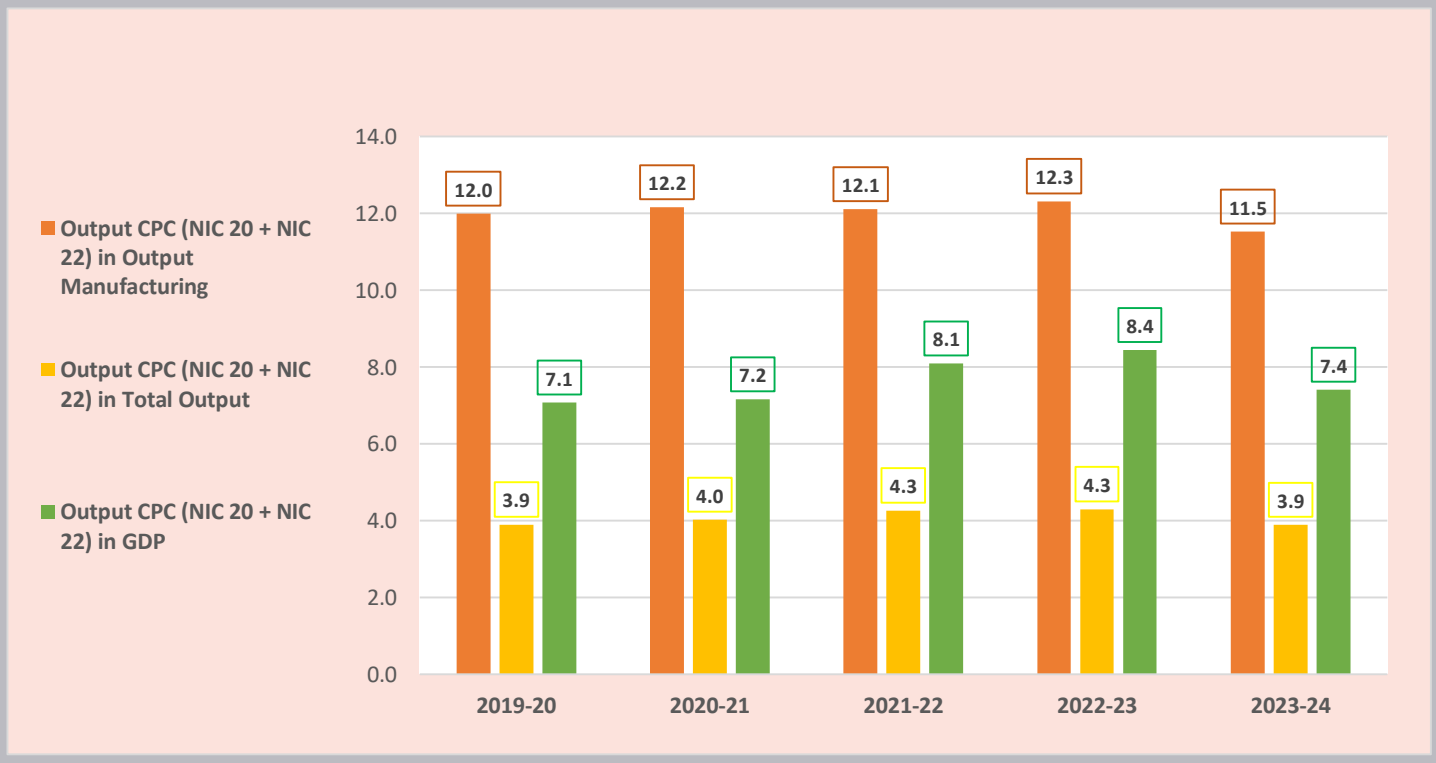

स्रोत: एमओएसपीआई

20. भारत में रसायन क्षेत्र के संदर्भ में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) इनफ्लो की वृद्धि दर

वर्ष	समग्र क्षेत्र (मिलियन अमेरिकी डॉलर में)	रसायन (मिलियन अमेरिकी डॉलर में)	पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि (कुल मिलाकर)	पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि (रसायन)
2012-13	22,423	292	-36.16	-92.77
2013-14	24,299	878	8.37	200.68
2014-15	30,931	763	27.29	-13.1
2015-16	40,001	1,470	29.32	92.66
2016-17	43,478	1,393	8.69	-5.24
2017-18	44,856	1,308	3.17	-6.1
2018-19	44,366	1,981	-1.09	51.45
2019-20	49,977	1,058	12.65	-46.59
2020-21	59,636	847	19.33	-19.94
2021-22	58,773	966	-1.45	14.05
2022-23	46,034	1,850	-21.67	91.51
2023-24	44,423	844	-3.50	-54.38
2024-25	50,018	1,060	12.59	25.59

पिछले वर्ष के दौरान प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में वृद्धि (समग्र) तथा पिछले वर्ष में रसायन क्षेत्र में वृद्धि (% एज वैल्यूज में)

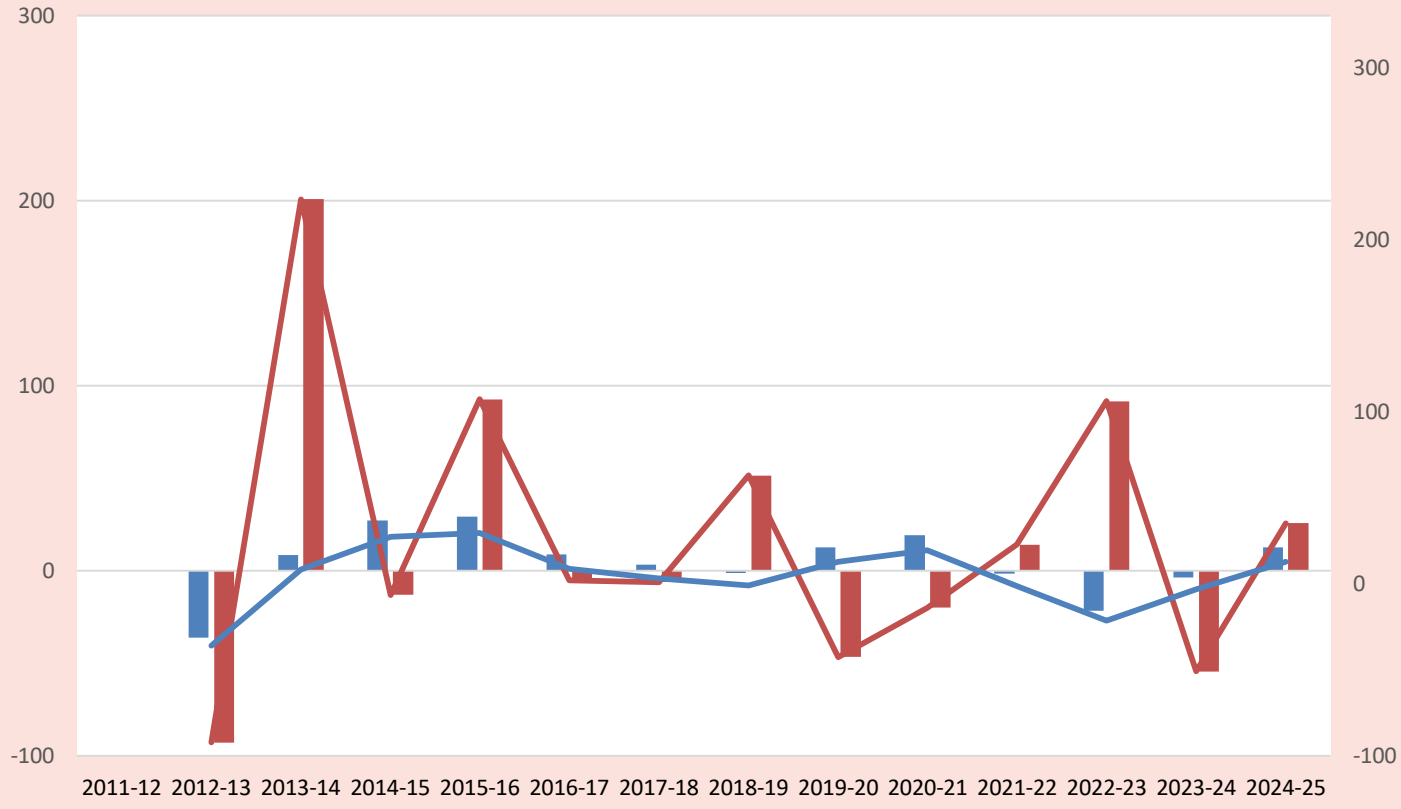

स्रोत: डीपीआईआईटी

21. एएसआई 2023-2024 में प्रमुख उद्योग समूहों की मुख्य विशेषताएं

21.1 सीपीसी क्षेत्र की प्रमुख विशेषताएं (एनआईसी 20)

(मूल्य आंकड़े लाख रुपये में और अन्य आंकड़े संख्या में दिए गए हैं)

विवरण	रसायन उद्योग (एनआईसी 20)	अखिल भारत	रसायन उद्योगों का हिस्सा (%)
कारखाने	14387	260061	**5.5**
स्थिर पूंजी	45626721	462409035	**9.9**
उत्पादक पूंजी	56538797	632134848	**8.9**
निवेशित पूंजी	62216674	680132999	**9.1**
श्रमिक	851378	15519957	**5.5**
कुल कार्यबद्ध व्यक्ति	1140695	19589131	**5.8**
श्रमिकों को मजदूरी	2026703	33598653	**6.0**
कुल मेहनताना	5216357	71646903	**7.3**
कुल इनपुट	102324664	1286883003	**8.0**
कुल आउटपुट	123971097	1532716609	**8.1**
मूल्यह्रास	3196221	35519270	**9.0**
निवल मूल्य वर्धित	18450212	210314335	**8.8**
किराया चुकाया गया	39072	633398	**6.2**
ब्याज का भुगतान किया	1697402	22293338	**7.6**

21.2 सीपीसी क्षेत्र की प्रमुख विशेषताएं (एनआईसी 20 + एनआईसी 22)

(मूल्य आंकड़े लाख रुपये में और अन्य आंकड़े संख्या में दिए गए हैं)

विवरण	रसायन उद्योग (एनआईसी 20 + एनआईसी 22)	अखिल भारत	रासायनिक उद्योगों का हिस्सा (%)
कारखाने	30294	260061	**11.6**
स्थिर पूंजी	66348530	462409035	**14.3**
उत्पादक पूंजी	82884977	632134848	**13.1**
निवेशित पूंजी	90970863	680132999	**13.4**
श्रमिक	1687678	15519957	**10.9**
कुल कार्यरत व्यक्ति	2177023	19589131	**11.1**
श्रमिकों को मजदूरी	3804600	33598653	**11.3**
कुल मेहनताना	8687426	71646903	**12.1**
कुल इनपुट	147138817	1286883003	**11.4**
कुल आउटपुट	179525268	1532716609	**11.7**
मूल्यह्रास	5278831	35519270	**14.9**
निवल मूल्य वर्धित	27107620	210314335	**12.9**
किराया चुकाया गया	60265	633398	**9.5**
ब्याज का भुगतान	2729371	22293338	**12.2**

स्रोत: एमओएसपीआई

22. रसायनों और रासायनिक उत्पादों का आयात (2024-25)

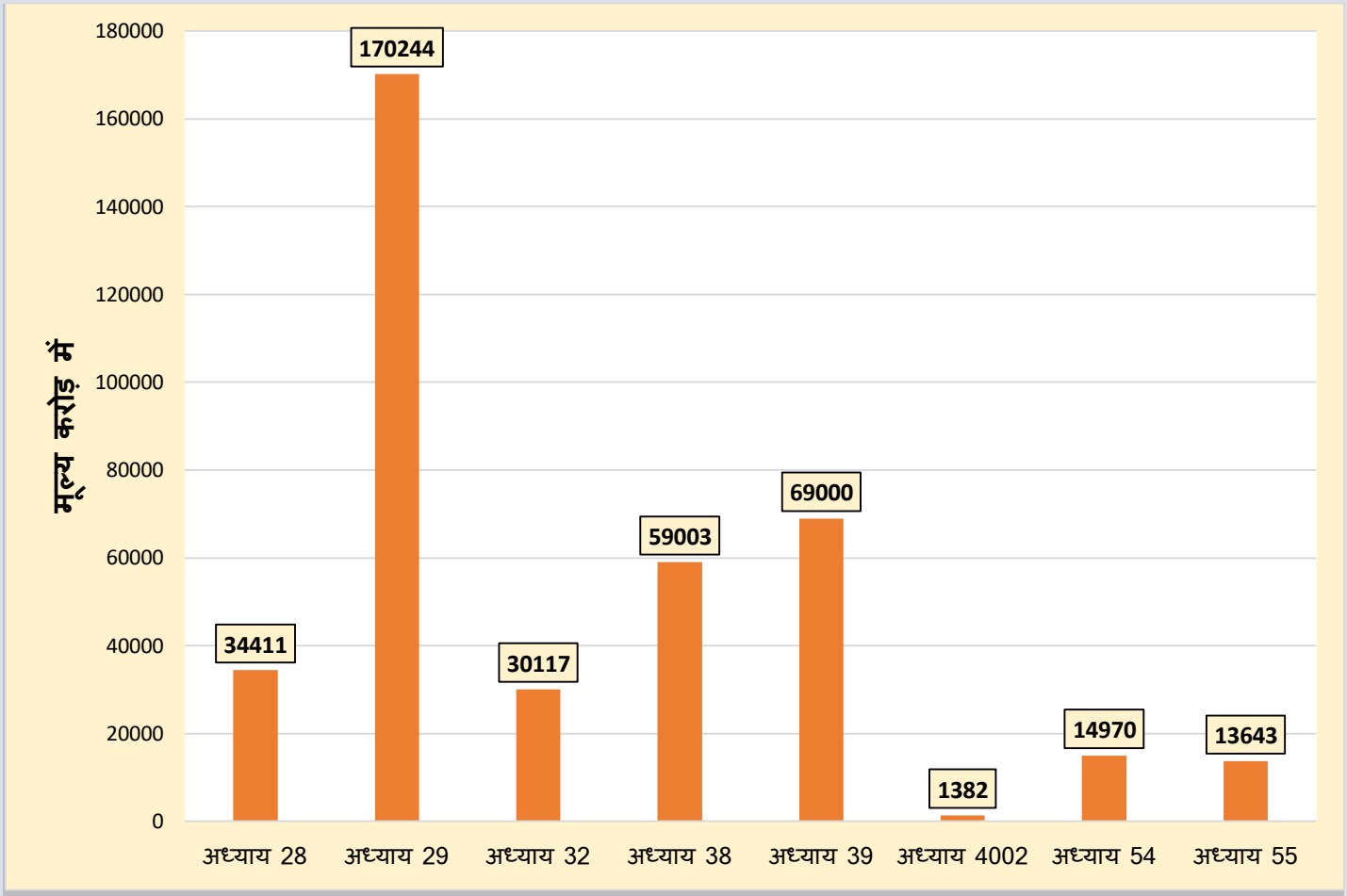

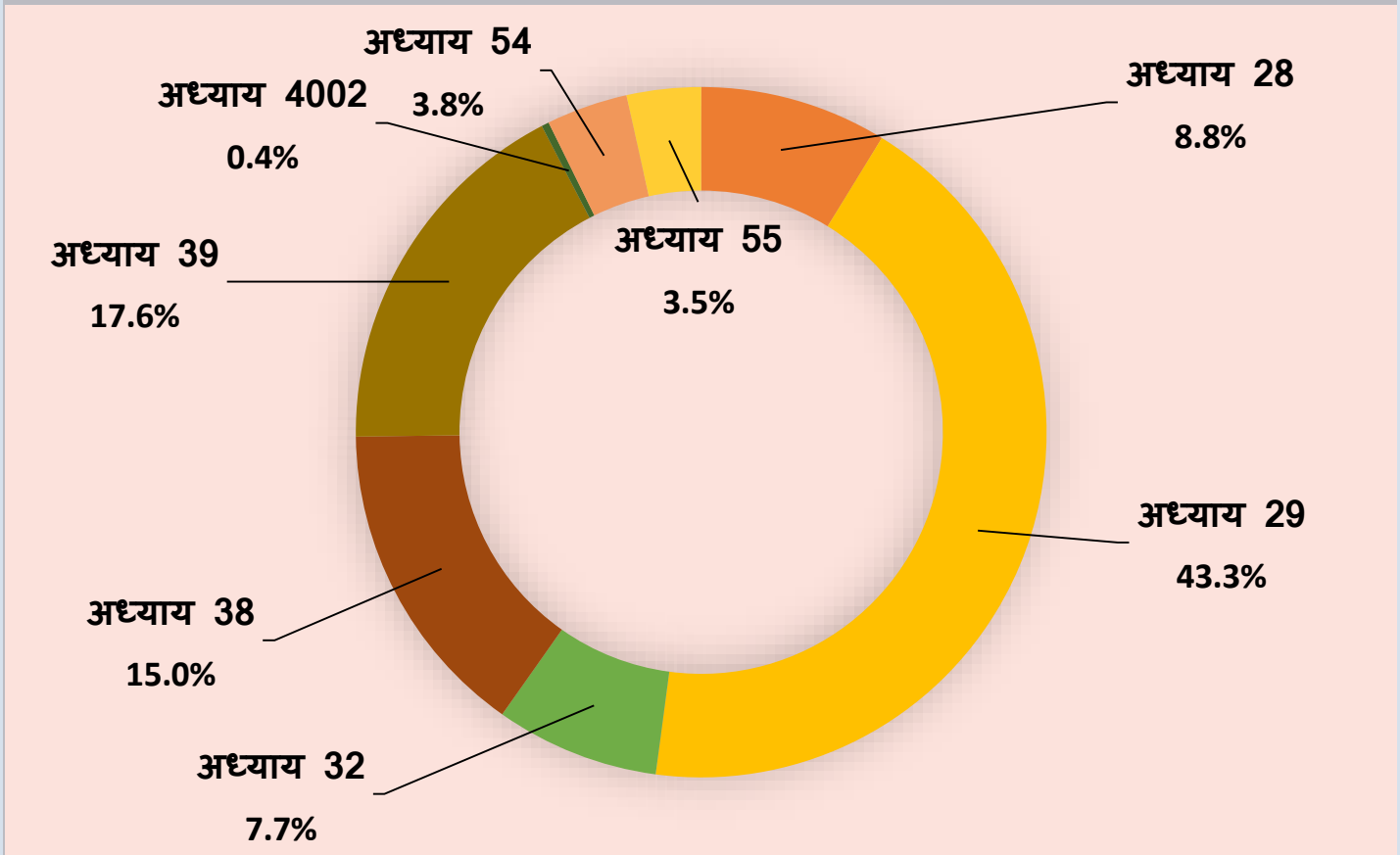

स्रोत:
डीजीसीआईएस

23. रसायनों और रासायनिक उत्पादों का निर्यात (2024-25)

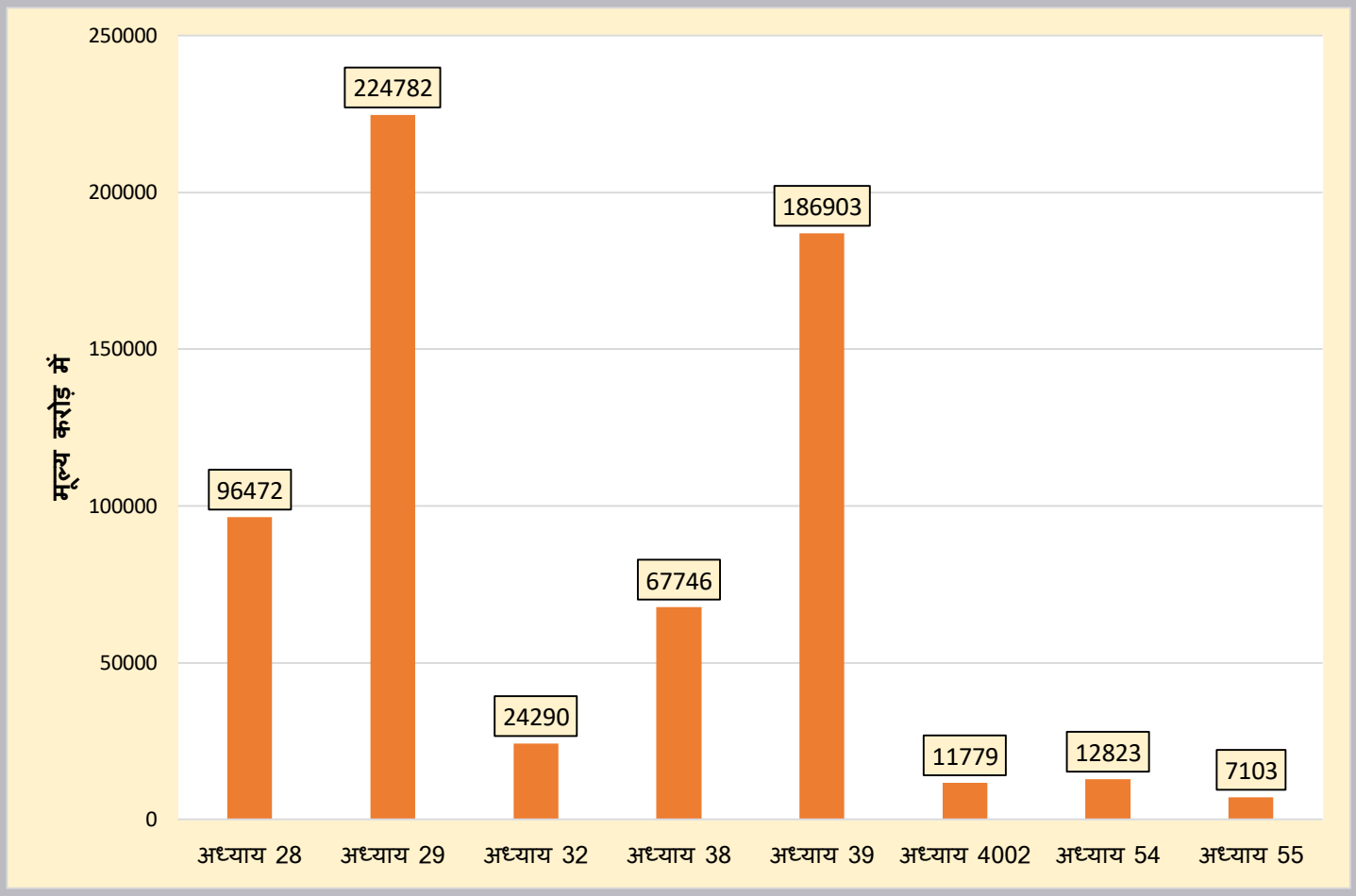

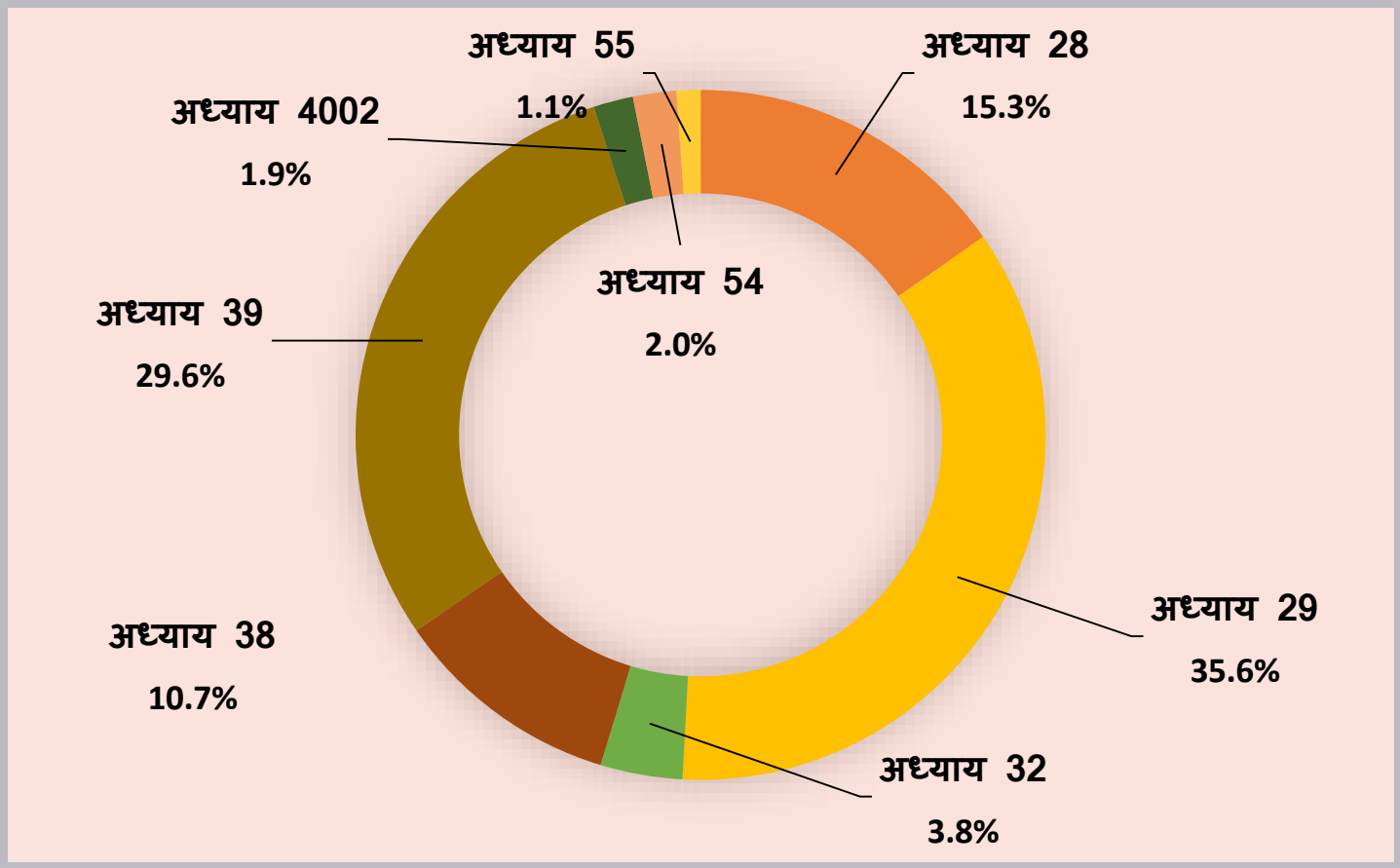

स्रोत: डीजीसीआईएस

24. पूर्वानुमान

24.1 रसायन और पेट्रोरसायन उत्पादों का उत्पादन

(क) रसायन

(आंकड़े हजार मीट्रिक टन में हैं)

समूह	2014-15	2019-20	2024-25	2027-28	2032-33	2037-38	2042-43	2047-48
1. क्षारीय रसायन	6625	8457	9938	12870	19802	30467	46877	72127
2. इनऑर्गेनिक रसायन	944	1063	1197	1550	2385	3669	5645	8686
3. ऑर्गेनिक रसायन	1619	1847	2189	2835	4363	6712	10328	15891
4. कीटनाशक (तकनीकी)	186	192	287	372	572	881	1355	2085
5. डाइज़ एंड पिगमेंट्स	285	384	372	482	742	1141	1756	2702
कुल रसायन (1 से 5)	**9660**	**11943**	**13983**	**18109**	**27863**	**42870**	**65962**	**101490**

(ख) पेट्रोरसायन

(आंकड़े हजार मीट्रिक टन में हैं)

समूह	2014-15	2019-20	2024-25	2027-28	2032-33	2037-38	2042-43	2047-48
1. सिंथेटिक फाइबर	3532	3893	4137	5358	8244	12685	19517	30029
2. फाइबर इंटरमीडिएट	4877	5359	5440	7045	10840	16678	25662	39484
3. पॉलिमर	7558	12404	13367	17311	26635	40981	63054	97017
4. सिंथेटिक रबर	172	358	411	533	820	1261	1940	2985
5. सिंथेटिक डिटर्जेंट इंटरमीडिएट	596	715	823	1066	1640	2523	3883	5974
6. परफॉर्मेंस प्लास्टिक	1591	1672	1904	2465	3793	5836	8980	13816
7. ओलेफिन	7301	11835	13284	17203	26469	40725	62661	96412
8. एरोमेटिक्स	4638	4925	2696	3491	5371	8265	12716	19565
9. अन्य पेट्रोकेमिकल्स	1963	2364	2572	3330	5124	7884	12131	18665
कुल रसायन (1 से 9)	**32227**	**43524**	**44634**	**57802**	**88936**	**136839**	**210544**	**323948**

**9.0% की सीएजीआर दर पर आधारित अनुमान*

24. पूर्वानुमान

24.2 रसायन और पेट्रोरसायन उत्पादों का निर्यात

(क) रसायन

(आंकड़े हजार मीट्रिक टन में हैं)

समूह	2014-15	2019-20	2024-25	2027-28	2032-33	2037-38	2042-43	2047-48
1. क्षारीय रसायन	74	329	863	1117	1719	2645	4070	6263
2. इनऑर्गेनिक रसायन	164	196	499	647	995	1531	2356	3625
3. ऑर्गेनिक रसायन	241	245	318	412	634	976	1501	2310
4. कीटनाशक (तकनीकी)	230	398	591	765	1177	1810	2786	4286
5. डाइज़ एंड पिगमेंट्स	353	530	536	694	1067	1642	2527	3888
कुल रसायन (1 से 5)	**1061**	**1698**	**2807**	**3635**	**5593**	**8605**	**13240**	**20371**

(क) पेट्रोरसायन

(आंकड़े हजार मीट्रिक टन में हैं)

समूह	2014-15	2019-20	2024-25	2027-28	2032-33	2037-38	2042-43	2047-48
1. सिंथेटिक फाइबर	887	1059	806	1044	1607	2472	3804	5853
2. फाइबर इंटरमीडिएट	73	234	37	48	74	113	174	268
3. पॉलिमर	903	1615	743	962	1481	2278	3506	5394
4. सिंथेटिक रबर	26	74	111	144	222	341	525	807
5. सिंथेटिक डिटर्जेंट इंटरमीडिएट	28	1	3	4	6	10	15	23
6. परफॉर्मेंस प्लास्टिक	409	969	142	184	282	434	668	1029
7. ओलेफिन	72	336	188	244	375	577	888	1367
8. एरोमेटिक्स	1888	4271	1697	2198	3382	5203	8006	12318
9. अन्य पेट्रोकेमिकल्स	124	238	216	280	431	664	1021	1571
कुल रसायन (1 से 9)	**4412**	**8798**	**3945**	**5108**	**7860**	**12093**	**18607**	**28629**

**9.0% की सीएजीआर दर पर आधारित अनुमान*

24. पूर्वानुमान

24.3 रसायन और पेट्रोरसायन उत्पादों का आयात

(क) रसायन

(आंकड़े हजार मीट्रिक टन में हैं)

समूह	2014-15	2019-20	2024-25	2027-28	2032-33	2037-38	2042-43	2047-48
1. क्षारीय रसायन	1134	1157	1176	1523	2343	3606	5548	8536
2. अकार्बनिक रसायन	912	1532	928	1202	1849	2845	4378	6736
3. कार्बनिक रसायन	2886	3775	5100	6604	10162	15635	24056	37013
4. कीटनाशक (तकनीकी)	41	43	76	98	151	232	357	549
5. डाइज़ एंड पिगमेंट्स	52	51	55	71	109	168	259	399
कुल रसायन (1 से 5)	**5025**	**6557**	**7334**	**9498**	**14614**	**22486**	**34598**	**53233**

(ख) पेट्रोरसायन

(आंकड़े हजार मीट्रिक टन में हैं)

समूह	2014-15	2019-20	2024-25	2027-28	2032-33	2037-38	2042-43	2047-48
1. सिंथेटिक फाइबर	236	347	398	515	793	1220	1877	2887
2. फाइबर इंटरमीडिएट	2180	1920	3487	4516	6948	10690	16448	25307
3. पॉलिमर	3737	3430	4191	5428	8352	12850	19771	30420
4. सिंथेटिक रबर	578	575	829	1074	1653	2543	3913	6020
5. सिंथेटिक डिटर्जेंट इंटरमीडिएट	134	264	287	372	573	881	1356	2086
6. परफॉर्मेंस प्लास्टिक	395	741	427	552	850	1308	2012	3096
7. ओलेफिन	49	76	63	82	126	194	298	459
8. एरोमेटिक्स	1023	1328	1795	2325	3577	5504	8469	13031
9. अन्य पेट्रोकेमिकल्स	2373	3543	3621	4689	7214	11100	17079	26278
कुल रसायन (1 से 9)	**10705**	**12222**	**15099**	**19553**	**30085**	**46290**	**71222**	**109584**

**9.0% की सीएजीआर दर पर आधारित अनुमान*

25.विभिन्न सीएजीआर पर रसायन एवं पेट्रोरसायन क्षेत्र का अनुमानित बाजार आकार

(अरब अमेरिकी डॉलर में)

वर्ष	8%	9%	10%
2023-24	**210**	**210**	**210**
2027-28	286	297	308
2032-33	421	457	496
2037-38	618	703	799
2042-43	908	1082	1287
2047-48	1335	1665	2073

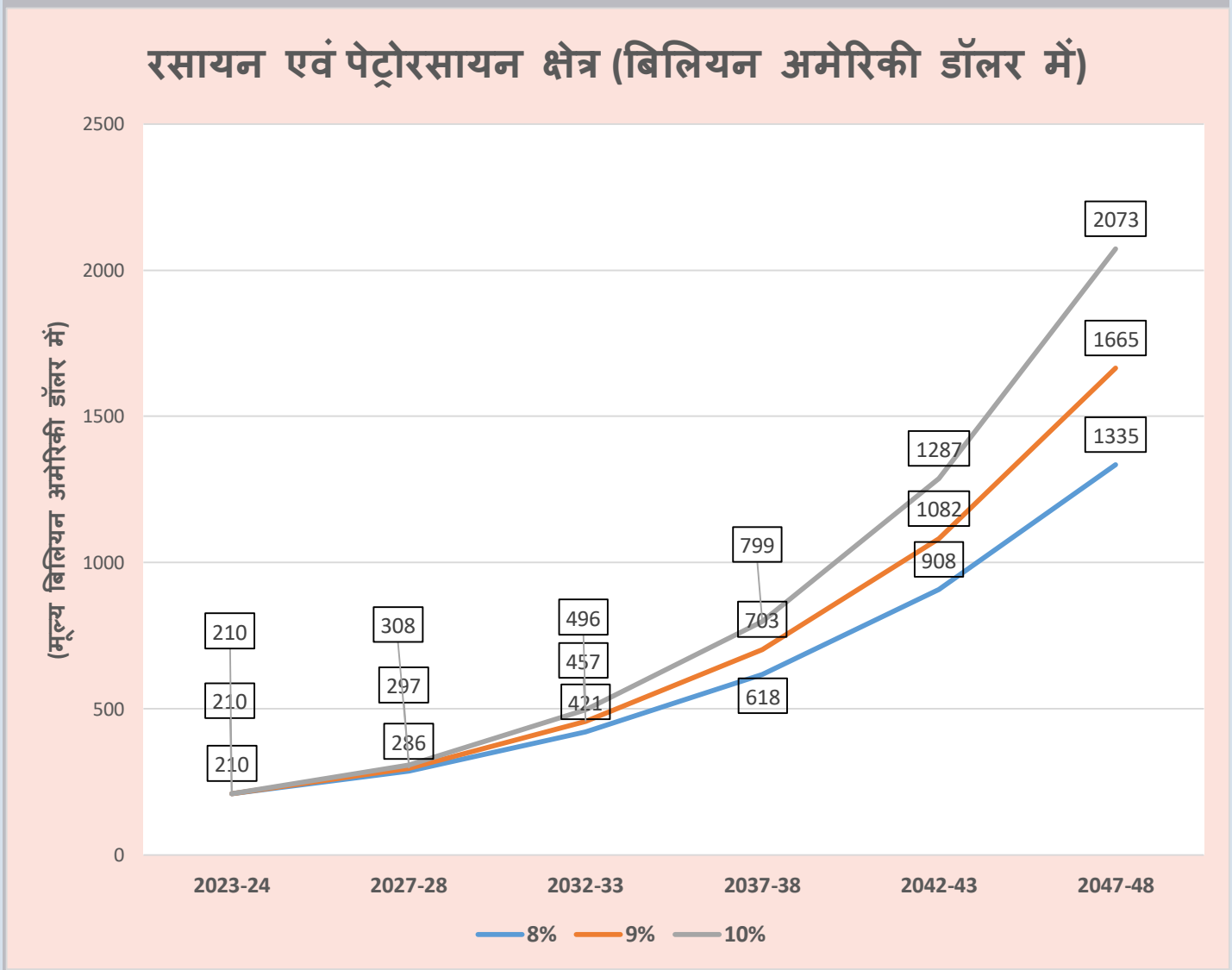

स्रोत: एमओएसपीआईडीजीसीआईएस और आरबीआई

**8%, 9% और 10% की सीएजीआर दर पर आधारित अनुमान*

25.विभिन्न सीएजीआर पर रसायन एवं पेट्रोरसायन क्षेत्र का अनुमानित बाजार आकार

(लाख करोड़ रुपये में)

वर्ष	8%	9%	10%
2023-24	17.4	17.4	17.4
2027-28	23.7	24.6	25.5
2032-33	34.8	37.8	41.1
2037-38	51.2	58.2	66.2
2042-43	75.2	89.6	106.6
2047-48	110.5	137.8	171.6

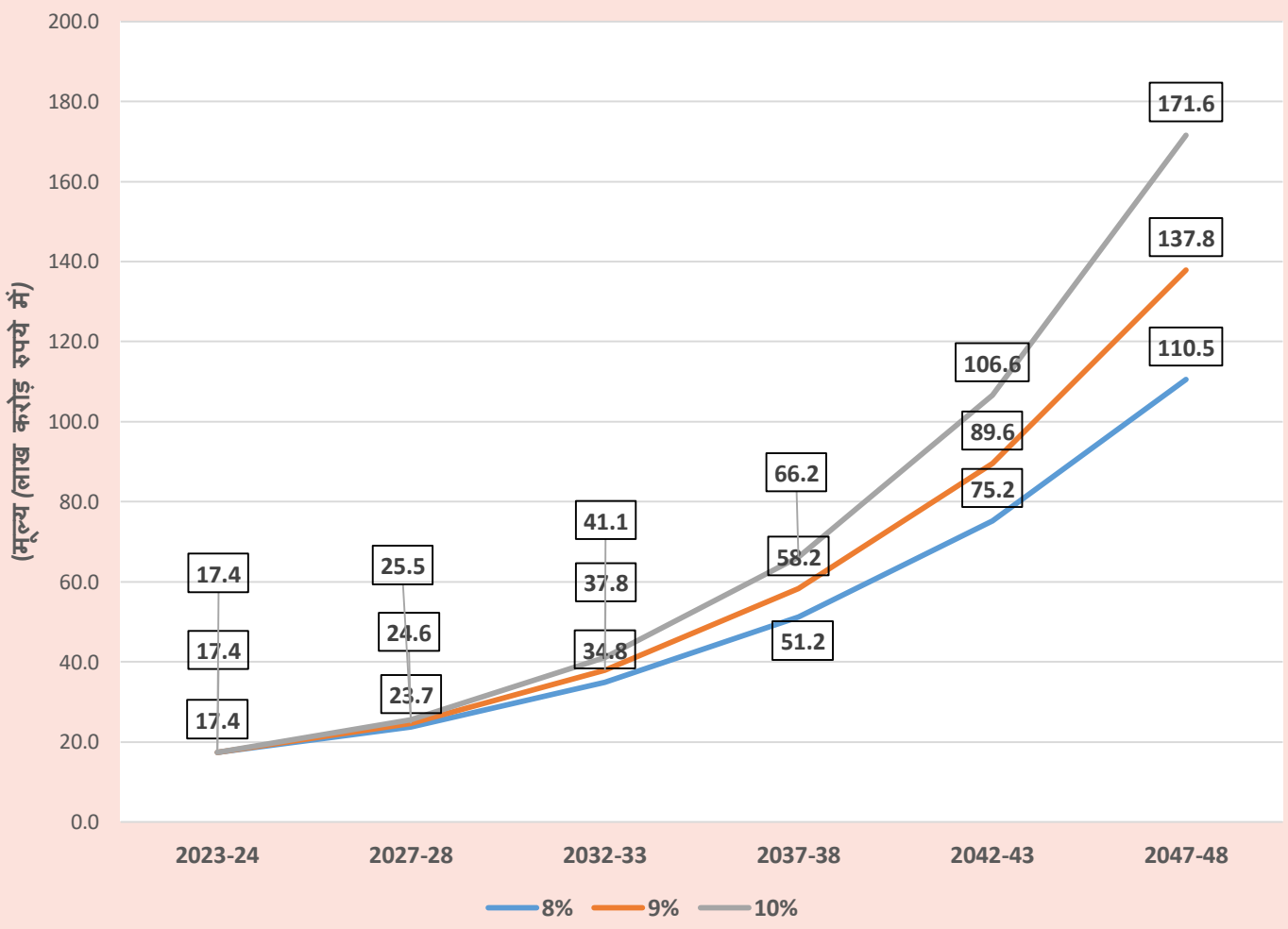

स्रोत: एमओएसपीआईडीजीसीआईएस और आरबीआई

**8%, 9% और 10% की सीएजीआर दर पर आधारित अनुमान*

26.जीडीपी के मुकाबले सीपीसी का अनुमानित बाजार आकार

(अमेरिकी डॉलर बिलियन)

वर्ष	जीडीपी (6% की दर से)	सीपीसी (9% की दर पर) का बाजार आकार	जीडीपी में सीपीसी का हिस्सा (%)
2023-24	3638	210	5.8
2027-28	4594	297	6.5
2032-33	6147	457	7.4
2037-38	8226	703	8.5
2042-43	11009	1082	9.8
2047-48	14732	1665	11.3

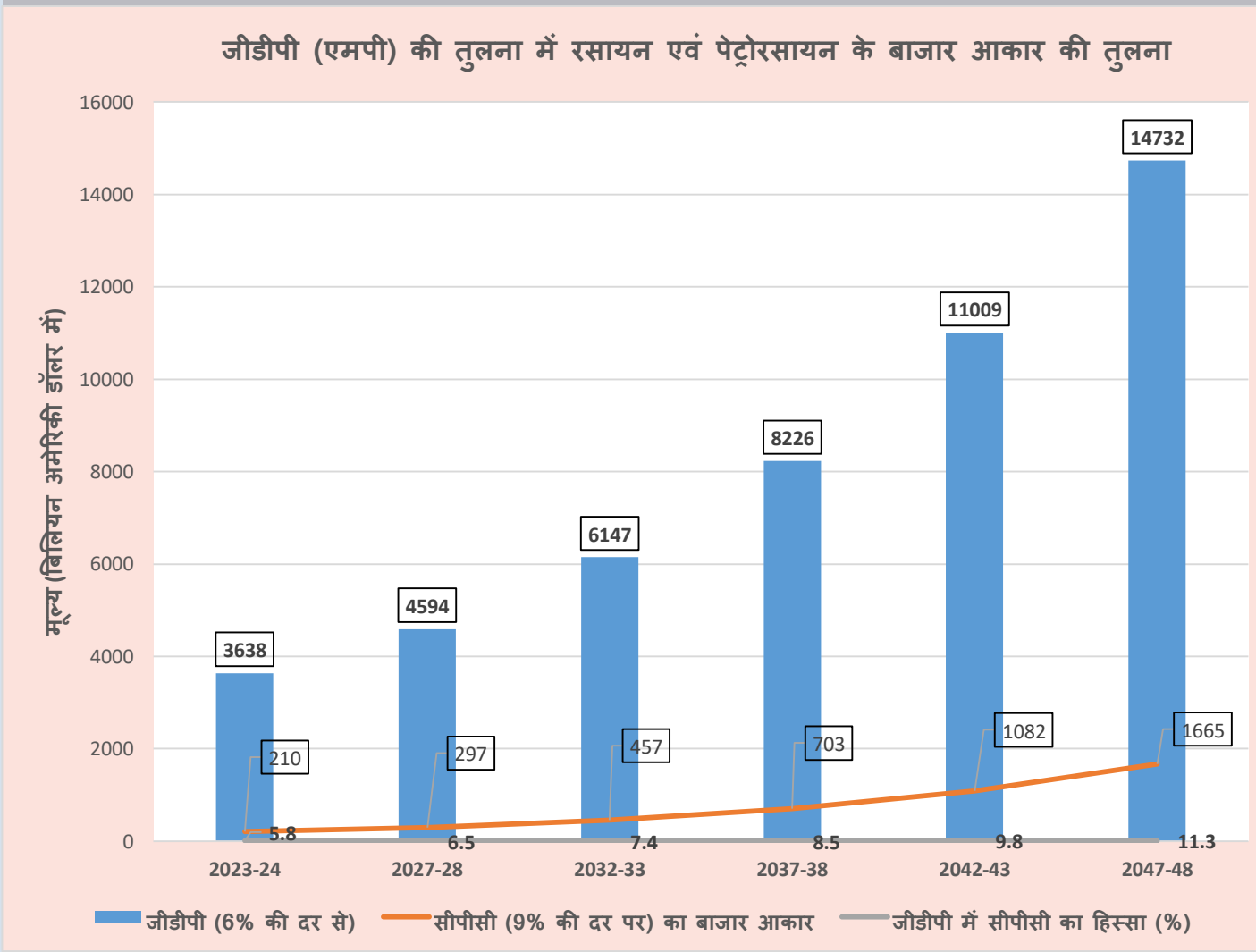

स्रोत:एमओएसपीआईडीजीसीआईएस और आरबीआई

26.जीडीपी के मुकाबले सीपीसी का अनुमानित बाजार आकार

(लाख करोड़ रुपये में)

वर्ष	जीडीपी (6% की दर से)	सीपीसी (9% की दर पर) का बाजार आकार	जीडीपी में सीपीसी का हिस्सा (%)
2023-24	301	17.4	5.8
2027-28	380	24.6	6.5
2032-33	509	37.8	7.4
2037-38	681	58.2	8.5
2042-43	911	89.6	9.8
2047-48	1220	137.8	11.3

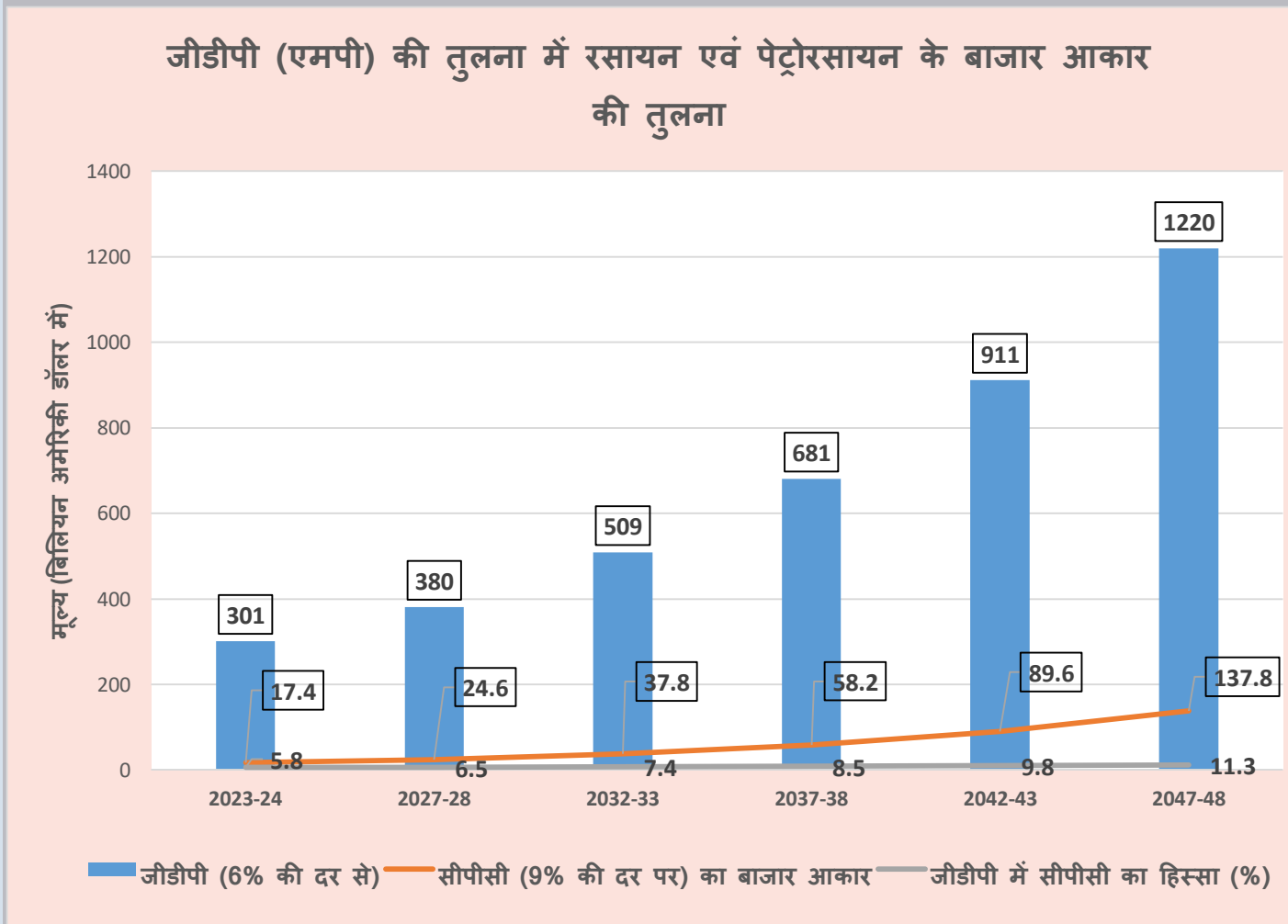

स्रोत:एमओएसपीआईडीजीसीआईएस और आरबीआई

27. सरकारी पहलें

पीसीपीआईआर	❖ पेट्रोलियम, रसायन और पेट्रोरसायन निवेश क्षेत्र (पीसीपीआईआर) उच्च स्तरीय अवसंरचना का केंद्र है, जो नई कंपनियों की स्थापना के लिए अनुकूल प्रतिस्पर्धी वातावरण बनाता है। ❖ निवेश को बढ़ावा देने और आकर्षित करने के लिए देश में तीन पीसीपीआईआर स्थापित किए जा रहे हैं। ❖ इन क्षेत्रों ने घरेलू और निर्यात-आधारित पेट्रोरसायन उत्पादन के लिए विनिर्माण सुविधाओं की स्थापना हेतु आवश्यक अवसंरचना के साथ समर्पित निवेश किया है। ❖ अब तक सरकार द्वारा चार पीसीपीआईआर अधिसूचित किए जा चुके हैं: • 2009 में गुजरात (दाहेज) में, • 2009 में आंध्र प्रदेश (विशाखापत्तनम)। • 2010 में ओडिशा (पारादीप) • 2012 में तमिलनाडु (कुड्डालोर और नागपट्टिनम)।
औद्योगिक सुरक्षा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	❖ सरकार की विकसित भारत@2047 कार्य योजना के तहत, डीसीपीसी ने "रसायन और पेट्रोरसायन औद्योगिक सुरक्षा" पर केंद्रित पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है।
प्लास्टिक पार्क	❖ इसका उद्देश्य पेट्रोरसायन क्षेत्र में निवेश, उत्पादन और निर्यात को बढ़ाकर तथा रोजगार सृजन करके अर्थव्यवस्था में अधिक योगदान देना है। ❖ विशेष रूप से, यह क्लस्टर विकास दृष्टिकोण के माध्यम से एक सहायक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करता है, जो घरेलू प्लास्टिक प्रसंस्करण उद्योग की क्षमताओं को संचित और समन्वित करता है। ❖ अनुदान सहायता: परियोजना लागत का 50% या अधिकतम 40 करोड़ रुपये, जो भी कम हो। ❖ अब तक 10 प्लास्टिक पार्कों को मंजूरी मिल चुकी है।
उत्कृष्टता केंद्र	❖ उत्कृष्टता केंद्र मान्यता प्राप्त अनुसंधान संस्थानों को अनुदान सहायता प्रदान करते हैं जिसका उद्देश्य मौजूदा प्रौद्योगिकी में सुधार करना और पॉलिमर और प्लास्टिक के नए अनुप्रयोगों के विकास को बढ़ावा देना है। ❖ प्रमुख सार्वजनिक अनुसंधान संस्थानों को 5 करोड़ रुपये तक का अनुदान। ❖ 18 उत्कृष्टता केंद्रों को अब तक मंजूरी मिल चुकी है।

27. सरकारी पहलें

गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ)	❖ डीसीपीसी द्वारा जारी गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) रसायन और पेट्रोरसायन उत्पादों के निर्माण, आयात और बिक्री के लिए निर्दिष्ट गुणवत्ता मानकों (जैसे, बीआईएस मानक) के अनुपालन को अनिवार्य बनाते हैं। इनका उद्देश्य उत्पाद सुरक्षा सुनिश्चित करना, गुणवत्ता बढ़ाना, उपभोक्ता हितों की रक्षा करना और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देना है।
सीमा शुल्क यौक्तिकीकरण	❖ सीमा शुल्क यौक्तिकीकरण के लिए सुझाव और सिफारिशें मंत्रालय के संबद्ध विभाग, रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग द्वारा दी जाती हैं। ये सुझाव और सिफारिशें रासायनिक और पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क को समायोजित करने से संबंधित हैं। इसका उद्देश्य घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना, आयात पर निर्भरता कम करना, निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाना और राष्ट्रीय आर्थिक लक्ष्यों के अनुरूप इस क्षेत्र के विकास को समर्थन देना है।
रासायनिक संवर्धन विकास योजना (सीपीडीएस)	❖ सीपीडीएस को 1997 से डीसीपीसी के रसायन विभाग में योजना मद के अंतर्गत लागू किया जा रहा है। ❖ इस योजना का मूल उद्देश्य विभिन्न संगठनों/उद्योग संघों आदि को कार्यशालाओं, सेमिनारों, अध्ययनों आदि के आयोजन हेतु अनुदान (सामान्य) के रूप में अनौपचारिक सहायता प्रदान करना है, ताकि विभाग को रसायन और पेट्रोरसायन क्षेत्र से संबंधित विभिन्न नीतिगत मामलों पर अपने विचार पुख्ता करने के लिए आवश्यक जानकारी प्राप्त हो सके।
केमइंडियावेब-पोर्टल	❖ डीसीपीसी ने देशभर में स्थित 13,000 से अधिक रसायन और पेट्रोरसायन उद्योगों को कवर करने के लिए ऑनलाइन डेटा प्रबंधन प्रणाली स्थापित करने की पहल की है। केमइंडिया पोर्टल को उत्पादन, स्थापित क्षमता, खरीद और बिक्री से संबंधित डेटा एकत्र करने के लिए एक केंद्रीय हब के रूप में लॉन्च किया गया है।

रसायन एवं पेट्रो-रसायन विभाग
DEPARTMENT OF
CHEMICALS & PETRO-CHEMICALS

© 2025 रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग। सर्वाधिकार सुरक्षित।